लखनऊ

मंगलवार 27 मई 2025

वर्ष : 10 । अंक: 311

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

शिक्षा और प्रशिक्षण का एकमात्र उद्देश्य समस्या-समाधान होना चाहिये। - जार्ज बर्नार्ड शा

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

'ऑपरेशन सिंदूर के बाद ही दी गई पाकिस्तान को जानकारी', राहुल के आरोपों पर जयशंकर का जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सीमापार आतंकवाद के मुद्दे पर आज संसदीय समिति की बैठक हुई। इस बैठक में सरकार ने सीमापार आतंकवाद को लेकर अपनी रणनीति साझा की, जिसमें कूटनीतिक पहल और अन्य कोशिशों की पूरी जानकारी दी। सरकार ने संसद की सलाहकार समिति के साथ बैठक में बताया कि पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया, जो आतंकवाद का केंद्र थे। इससे पाकिस्तानी सेना के मनोबल पर चोट लगी है क्योंकि वह आतंकी शिविरों की रक्षा नहीं कर सकी। सरकार ने बताया कि आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में भारत को वैश्विक स्तर पर समर्थन मिला है। वहीं पाकिस्तान को तीन देशों को छोड़कर- तुर्किये, अजरबैजान और चीन को छोड़कर किसी का समर्थन नहीं मिला। बैठक में कांग्रेस ने विदेश मंत्री द्वारा पाकिस्तान को कथित तौर पर हमले की सूचना दिए जाने के विवाद को उठाया। जिस पर सरकार ने स्पष्ट किया कि 'भारत और पाकिस्तान के बीच डीजीएमओ स्तर के अलावा किसी भी तरह की कोई बातचीत नहीं हुई, और वह भी हमलों के बाद ही हुई थी। पहले आतंकी ठिकानों पर हमला हुआ, फिर PIB ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की। इसके बाद भारत के डीजीएमओ ने पाकिस्तानी डीजीएमओ से संपर्क किया। विदेश मंत्री ने कांग्रेस द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों को बेईमानी और घटनाओं का गलत चित्रण बताया।' सिंधु जल समझौते को लेकर संसदीय समिति ने सरकार से पूछा कि क्या वह सिंधु जल समझौते का स्थगन बरकरार रखेगी या सिर्फ सरकार ने प्रतीकात्मक तौर पर यह कदम उठाया है।

मैनेजर ने 750 से अधिक फर्जी लाभार्थियों के खाते खोले, लोन मंजूर कर अपने परिजनों के लिए खरीदी प्रॉपर्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), बंगलूरू क्षेत्रीय कार्यालय ने कर्नाटक भावी विकास निगम (केबीडीसी) में धन की हेराफेरी से संबंधित एक ऐसे मामले का खुलासा किया है, जिसमें मैनेजर ने ही गोलमाल कर दिया। विकास निगम के मैनेजर ने 750 से अधिक फर्जी लाभार्थियों के खाते खोले। उसके बाद उन खातों के नाम पर लोन या वित्तीय सहायता मंजूर की। इस धोखाधड़ी के जरिए मैनेजर ने जो पैसा कमाया, उससे अपने परिजनों के लिए प्रॉपर्टी खरीद ली। परिवार के लिए शानदार जीवनशैली का इंतजाम कर दिया। प्रवर्तन निदेशालय ने अब धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत बीके नागराजप्पा, आर लीलावती और अन्य आरोपियों की 26.27 करोड़ रुपये (लगभग) मूल्य की विभिन्न अचल संपत्तियों (वर्तमान बाजार मूल्य 40 करोड़ रुपये) को अनंतिम रूप से कुर्क किया है। ईडी की जांच से पता चला है कि केबीडीसी के तत्कालीन महाप्रबंधक बीके नागराजप्पा और केबीडीसी की तत्कालीन प्रबंध निदेशक आर लीलावती ने बिचौलियों और उनके सहयोगियों के साथ मिलकर 750 से अधिक फर्जी लाभार्थियों के बैंक खाते खोल दिए।

आतंक फैलाने वालों ने सपने में भी न सोचा होगा मोदी से... गुजरात से प्रधानमंत्री मोदी की ललकार

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के दाहोद में लोकोमोटिव विनिर्माण संयंत्र सहित 24,000 करोड़ रुपये की लागत वाली विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद पीएम मोदी का ये पहला गुजरात दौरा है, जहां पीएम मोदी ने अपने राज्य को हजारों करोड़ की सौगात दी। गुजरात पहुंचने पर पीएम मोदी का वडोदरा और दाहोद में रोड शो हुआ, इस रोड शो में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी, जिसके बाद पीएम मोदी दाहोद में रैली को संबोधित किया। रैली में पीएम मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सिंदूर मिटाने वालों का मिटना तय है। यह

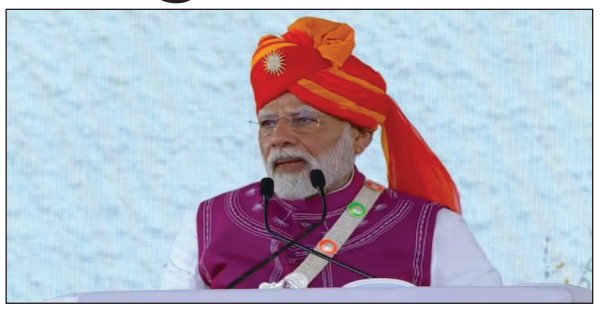

सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं है, बल्कि ये हम भारतीयों के संस्कारों, हमारी भावनाओं की अभिव्यक्ति है।

दाहोद रैली में पीएम की कही बड़ी बातें

आतंक फैलाने वालों ने सपने में भी सोचा नहीं होगा: पहलगाम में आतंकवादियों ने जो कुछ भी किया, क्या भारत चुप बैठ सकता है। क्या मोदी चुप बैठ सकता है। जब कोई हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाएगा, तो उसका भी मिटना तय हो जाता है। इसलिए ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं है, यह हमारे संस्कारों और भावनाओं की अभिव्यक्ति है। आतंक फैलाने वालों ने सपने में भी सोचा नहीं होगा कि मोदी से मुकाबला करना कितना मुश्किल होता है।

हमारे शूरवीरों ने कर दिखाया

मोदी ने वह किया जिसके लिए देशवासियों ने मुझे प्रधान सेवक की जिम्मेदारी दी है। मोदी ने अपनी तीनों सेनाओं को खुली छूट दी। हमारे शूरवीरों ने वह कर दिखाया, जो दुनिया ने पिछले कई दशकों से नहीं देखा था। हमने सीमा पार चल रहे आतंक के नौ सबसे बड़े ठिकानों को ढूंढ निकाला। अता-पता पक्का कर लिया और 6 तारीख रात को 22 मिनट में उन्हें मिट्टी में मिला दिया।

आज ही के दिन मैंने पीएम पद की शपथ ली

दाहोद में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज 26 मई है, 2014 में इसी तारीख को मैंने पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी... सबसे पहले गुजरात के लोगों ने मुझे आशीर्वाद दिया, फिर करोड़ों भारतीयों ने मुझे आशीर्वाद दिया।

पीएम मोदी ने कहा, आज हम 140 करोड़ भारतीय मिलकर अपने देश को विकसित भारत बनाने के लिए जी जान से जुटे हैं। देश की तरक्की के लिए जो कुछ भी चाहिए वो हम भारत में ही बनाएं ये आज के समय की मांग है। भारत आज तेज गति से मैन्युफैक्चरिंग की दुनिया में आगे बढ़ रहा है... आज हम स्मार्ट फोन से लेकर, गाड़ियां, खिलौने, सेना के अस्त्र-शस्त्र और दवाओं जैसी चीजें दुनिया के देशों में निर्यात कर रहे हैं।

लोग कहते थे यहां कुछ नहीं बनेगा

पीएम मोदी ने कहा, ...कुछ समय पहले ही यहां दाहोद के इलेक्ट्रिक इंजन कारखाने का उद्घाटन हुआ है ...मैं तीन साल पहले यहां शिलान्यास के लिए आया था। लोग कहते थे कि चुनाव के लिए शिलान्यास किया गया था, उन्होंने कहा कि कुछ नहीं बनेगा। आज हम देख रहे हैं कि यहां पहला इलेक्ट्रिक इंजन बन चुका है, जिसका कुछ समय पहले ही हरी झंडी दिखाई गई है... पीएम मोदी की लोगों से ये अपीलः प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी जनसभा में लोगों को संबोधित करते हुए देश के नागरिकों से होली, दीपावली और गणेश पूजा जैसे त्योहारों के दौरान भारत में बने उत्पाद खरीदने और उपयोग करने का आग्रह किया। हमारे देश की प्रगति के लिए जो कुछ भी आवश्यक है, वह यहीं भारत में ही बनना चाहिए।

'अच्छे दिनों की बात डरावना सपना बनी', मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर कांग्रेस का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने के अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी सरकार पर देश को बर्बाद करने का आरोप लगाया और कहा कि अच्छे दिन का वादा एक डरावना सपना बनकर रह गया है। खरगे ने किसानों, महिलाओं, रोजगार और अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 26 मई 2014, 11 वर्षों में मोदी सरकार के सभी बड़े-बड़े वादे खोखले साबित हुए हैं। मोदी सरकार ने देश को तबाह कर दिया है कि अच्छे दिन की बात अब डरावना

सपना बन गई है। युवाओं से दो करोड़ नौकरियां सालाना का वादा किया गया था, लेकिन करोड़ों नौकरियां गायब हो गईं।

खरगे ने लिखा कि 'किसानों की आय दोगना करने का वादा किया गया था, आय तो दोगुनी हुई नहीं ऊपर से उन्हें रबर की गोलियां खानी पड़ीं। महिलाओं के आरक्षण पर शर्तें लागू कर दी गई है और महिला सुरक्षा तार-तार है। पिछड़े वर्गों पर अत्याचार हो रहा है और उनकी हिस्सेदारी भी कहीं खो गई है।'

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर घेरा

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर सरकार को घेरते हुए खरगे ने कहा कि देश में महंगाई चरम पर है और बेरोजगारी भी लगातार बढ़ रही है। खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने मेक इन इंडिया और देश को विश्वगुरू बनाने जैसे वादे किये थे, लेकिन देश के हर देश के साथ रिश्ते तबाह कर दिए गए। खरगे ने कहा कि संघ द्वारा लोकतंत्र के हर स्तंभ पर हमला किया जा रहा है। ईडी और सीबीआई का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है।

सीएम मोहन यादव के नेतृत्व में पीएम ने लगाई बड़ी छलांग... कृषि उद्योग समागम में बोले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

नई दिल्ली, एजेंसी। 'आज का कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। मैं अभिभूत हूं कि मेरे सामने बैठे युवा, नारी शक्ति और सभी लोग अन्नदाता हैं, देश के भाग्यविधाता हैं। किसान की जितनी पूजा की जाए, उतनी कम है। किसान भारत की रीढ़ की हड्डी है। किसान समरसता का प्रतीक है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव मनमोहक हैं, कार्यशील हैं। वे हर पल गांव और किसान की चिंता करते हैं। इनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश सबसे बड़ी छलांग लगाएगा। ये मैं अपने सामने देख रहा हूं। क्योंकि, आज की कृषि को उद्योग से जोड़ने की जो पहल है वो बहुत बड़ी सोच का परिणाम है।' यह बात उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नरसिंहपुर जिले में कही।

उपराष्ट्रपति कृषि उद्योग समागम-2025 में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव भी मौजूद थे। इस मौके पर उप-राष्ट्रपति धनखड़ ने 116 करोड़ की लागत के 86 विकासकार्यों का भूमि-पूजन भी किया। मेरे मामा की पोती का यहां ससुराल है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मुझे मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव की वजह से कृषि उद्योग समागम जैसा कार्यक्रम देखने को मिला। देश का हर राज्य इसका अनुकरण करेगा। किसानों से कृषि का बहुत लगाव होना चाहिए। इस पहल की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। आज पूरा देश राष्ट्र भावना से ओतप्रोत है। पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। ऑपरेशन सिंदूर का लोहा दुनिया ने माना है।

किसानों का जीवन बेहतर हो रहा- उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि विकसित भारत का रास्ता किसान के खेत से जाता है, विकसित भारत का रास्ता गांव से निकलता है, विकसित भारत की कुंजी किसान के पास है। उस किसान को डॉ। मोहन यादव सृजित कर रहे हैं। इससे अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा उछाल आएगा। पूरे देश में विकसित भारत के लिए महायज्ञ चल रहा है। यह महायज्ञ हर किसी की आहुती मांगता है। सबसे निर्णायक आहुती किसान की है। मेरे किसान भाई पूरी तरह सजग हैं। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य हम हासिल करके रहेंगे। मैं किसान भाइयों से अपील करूंगा कि आप अपने आपको उत्पाद तक सीमित मत रखिए, आपको इसकी मार्केटिंग से जुड़ना चाहिए।

नरसिंहपुर के किसानों की पहचान-यादव

कार्यक्रम में सीएम डॉ। मोहन यादव ने कहा कि मां नर्मदा के आशीर्वाद से आज भगवान नरसिंह के नाम की इस नगरी की अलग ही छटा दिखाई दे रही है। सच्चे अर्थों में ये हमारा पूरा प्रदेश सश्य-श्यामला है। कृषि के अलग-अलग सेक्टर में पूरे प्रदेश की अलग पहचान है। उसमें भी पूरा प्रदेश एक तरफ और नरसिंहपुर एक तरफ। यहां की तूअर दाल, यहां की प्राकृतिक खेती, यहां के उन्नत किसान मध्यप्रदेश ही नहीं, पूरे देश में अपनी अलग पहचान रखते हैं। इस स्थान पर मां नर्मदा की विशेष कृपा है। यहां उच्च गुणवत्ता की सभी प्रकार की फसलों के लिए विशेष व्यवस्था है। हमने सरकार बनने के बाद कई सेक्टरों में काम किया है। मध्य प्रदेश वो धरती है, जो नदियों का मायका है। जितनी नदियां मध्यप्रदेश में हैं, वो शायद ही कहीं और हों। प्रदेश की विशेषता नहीं है कि ग्लेशियर न होने के बाद भी नदियां हैं। यहां के जंगल, यहां की चट्टाने, यहां का सौंदर्य अलग ही हैं। यहां की नदियां न केवल मध्यप्रदेश, बल्कि अन्य राज्यों को भी लाभ पहुंचाती हैं। मध्यप्रदेश के विकास में सबसे बड़ा आशीर्वाद मां नर्मदा का है। हम अगर किसी और राज्य में जाएं तो गर्मी के समय खेत खाली मिलेंगे, लेकिन जहां-जहां मां नर्मदा हैं, वहां खेतों में हरियाली मिलेगी।

जौनपुर में ट्रिपल मर्डर से सनसनी, हथौड़े से कूचकर पिता और दो बेटों की हत्या, खून से लथपथ मिले शव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में ट्रिपल मर्डर की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जफराबाद थाना क्षेत्र के कचगांव अंडरपास के पास एक दुकान में देर रात एक शख्स और उसके दो बेटों की रहस्यमय परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। घटना का खुलासा आज सुबह हुआ जब परिवार का एक सदस्य दुकान पर पहुंचा।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मोहम्मदपुर कांध निवासी लालजी की कचगांव अंडरपास के पास दुकान और वर्कशॉप है। बीती रात काम अधिक होने के कारण लालजी अपने दो बेटों, यादवीर और गुड्डू, के साथ दुकान पर ही रुक गए थे। सुबह जब परिवार का एक सदस्य खाना लेकर दुकान पर पहुंचा, तो वहां का मंजर देखकर उसके होश उड़ गए। दुकान में लालजी और उनके दोनों बेटों के शव खून से लथपथ पड़े थे। घटना की सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई और तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि हथौड़े जैसे किसी भारी वस्तु से उनके सिर पर हमला किया गया है।

घटना से आक्रोशित परिजनों ने बाईपास पर हंगामा करते हुए चक्काजाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को शांत करने का प्रयास किया और निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है। पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है और हत्या के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

महाराष्ट्र में बढ़े कोरोना वायरस के मामले, एक्टिव केस की संख्या 200 के पार

मुंबई। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 43 नए मामले सामने आए जिससे राज्य में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 209 हो गयी है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मुंबई में संक्रमण के सबसे ज़्यादा 35 नए मामले सामने आए हैं, जबकि पुणे में आठ मामले सामने आए हैं।

राज्य में मई में अब तक कुल 242 कोविड-19 मामले सामने आए हैं, जो पिछले महीनों की तुलना में काफ़ी ज़्यादा है। गत एक जनवरी से महाराष्ट्र में 7,389 कोविड-19 टेस्ट किए गये हैं, जिनमें 300 लोगों की रिपोर्ट पॉज़िटिव आयी है। इनमें से अकेले मुंबई में 248 मामले सामने आए हैं, जो इस साल राज्य में कुल संक्रमणों का 80 प्रतिशत से ज़्यादा है।

भारत के सबसे वांछित माओवादी बसवराजू का अंत, अब 'माओवाद मुक्त भारत 2026' के लक्ष्य पर निगाहें

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल के इतिहास में माओवादी विद्रोह के खिलाफ सबसे निर्णायक हमलों में से एक में, सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के घने अबूझमाड़ के जंगलों में एक बड़ी कार्रवाई के दौरान भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के महासचिव और सुप्रीम कमांडर नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू को मार गिराया है।

बसवराजू, जिस पर 1.5 करोड़ रुपये से अधिक का इनाम था, भारत के सबसे वांछित भगोड़ों में से एक था। उसे भारतीय सुरक्षा बलों पर हुए कई सबसे घातक हमलों के पीछे वैचारिक प्रेरक और प्रमुख रणनीतिकार माना जाता था। उसकी मौत को दशकों से चले आ रहे माओवादी चरमपंथ के खिलाफ लड़ाई में एक ऐतिहासिक सफलता और एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा रहा है।

यह बड़ी सफलता एक खुफिया-

आधारित ऑपरेशन का नतीजा थी, जिसके कारण नारायणपुर में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। इस ऑपरेशन में बसवराजू के साथ-साथ कई अन्य माओवादी भी मारे गए हैं, जिससे संगठन के नेतृत्व को एक बड़ा झटका लगा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने इस ऑपरेशन की सफलता की पुष्टि करते हुए इसे देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया है। बसवराजू की मौत से माओवादी आंदोलन के कमजोर पड़ने की उम्मीद है, क्योंकि वह संगठन के सैन्य और वैचारिक दोनों पहलुओं में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता था।

एक विद्रोही कमांडर का उदय

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के जियान्नापेटा गांव से आने वाले बसवराजू का जन्म 1955 में एक साधारण परिवार में हुआ था। उनके पिता एक स्कूल शिक्षक थे। अपने पैतृक गांव और पास के तालागाम (तेक्काली राजस्व ब्लॉक में उनके दादा का गांव) में प्रारंभिक स्कूली शिक्षा के बाद, वे वारंगल में क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज (अब एनआईटी) में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने चले गए। कॉलेज के वर्षों के दौरान ही वह कट्टरपंथी राजनीति में आ गए, पहले कट्टरपंथी छात्र संघ और बाद में सीपीआई (एमएल) पीपुल्स वार के माध्यम से। उन्होंने 1984 में अपनी एम.टेक की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी और माओवादी आंदोलन के प्रति पूरी तरह से समर्पित हो गए - एक ऐसा निर्णय जिसने उन्हें अपने परिवार और पूर्व जीवन से सभी संबंध तोड़ने के लिए प्रेरित किया।

गुरिल्ला रणनीति का मास्टर

माना जाता है कि 1987 में, बसवराजू ने श्रीलंका में LTTE के साथ गुरिल्ला युद्ध का प्रशिक्षण लिया था, जहाँ उन्होंने विस्फोटकों और जंगल युद्ध में विशेषज्ञता हासिल की थी। इन वर्षों में, उन्होंने एक रणनीतिकार के रूप में एक भयानक प्रतिष्ठा अर्जित की, जिसे अक्सर घातक माओवादी घात के पीछे दिमाग के रूप में देखा जाता है।

उसके नाम पर किए गए हमलों में शामिल हैं:

2010 का दंतेवाड़ा नरसंहार, जिसमें 76 सीआरपीएफ कर्मी मारे गए थे। 2013 का जीरम घाटी घात, जिसमें महेंद्र कर्मा जैसे शीर्ष कांग्रेस नेताओं सहित 27 लोगों की जान चली गई थी। 2003 का अलीपीरी विस्फोट, तत्कालीन आंध्र प्रदेश के सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू की हत्या का एक असफल प्रयास। आंध्र प्रदेश की अराकू घाटी में 2018 में टीडीपी विधायक किदारी सर्वेश्वर राव और पूर्व विधायक सिवेरी सोमा की दोहरी हत्या। विनय, गंगन्ना, प्रकाश, बीआर, उमेश और केशव सहित कई उपनामों से जाना जाने वाला बसवराजू घने जंगल क्षेत्रों से काम करता था और सख्त गोपनीयता बनाए रखता था। यहां तक कि जब सुरक्षा बलों ने निगरानी और बेहतर समन्वय के साथ दबाव बढ़ाया, तब भी वह दशकों तक गिरफ्तारी से बचता रहा। गणपति की सेवानिवृत्ति के बाद 2018 में सीपीआई (माओवादी) के महासचिव के रूप में उनकी पदोन्नति ने विद्रोही संगठन की रणनीति और विचारधारा पर उनकी पकड़ को और मजबूत किया। उन्हें आंदोलन का राजनीतिक और सैन्य चेहरा दोनों माना जाता था।

रेड कॉरिडोर को झटका

बसवराजू की मौत कोई अकेली सफलता नहीं थी-यह माओवादियों के गढ़ों के केंद्र में व्यापक, सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध हमले का मुकुट रत्न था। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर के जंगलों में सीपीआई (माओवादी) प्रमुख को बेअसर करने से कुछ ही दिन पहले, सुरक्षा बलों ने देश के इतिहास में सबसे बड़े और सबसे लंबे समय तक चलने वाले माओवादी विरोधी अभियानों में से एक शुरू किया था।

छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर कर्रेगुट्टा पहाड़ियों के खतरनाक इलाके में 24 दिनों तक चले इस अभियान ने प्रमुख गुरिल्ला बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया, उच्च रैंकिंग वाले पीएलजीए कैडरों को खत्म कर दिया और एक स्पष्ट संदेश दिया: रेड कॉरिडोर में माओवादी प्रभुत्व का युग तेजी से समाप्त हो रहा है।

शीर्ष स्तर से प्रशंसा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ऑपरेशन की सराहना की और सशस्त्र बलों, विशेष रूप से छत्तीसगढ़ पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) को बधाई दी। पीएम मोदी ने इसे ₹उल्लेखनीय सफलता₹ बताया और माओवाद को खत्म करने और प्रभावित क्षेत्रों में शांति और विकास लाने के लिए सरकार के संकल्प को दोहराया।

'नहीं कराना पापा के शव का पोस्टमार्टम...' घरवाले करते रहे जिद, लेकिन अड़ गई पुलिस, पीएम रिपोर्ट आते ही खुला मौत का राज, हैरान रह गए अफसर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में सम्पत्ति विवाद की वजह से एक शख्स को उसकी पत्नी और बेटे ने ही जान से मार दिया। पुलिस ने आरोपी पत्नी और बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। ये पूरा मामला बिजनौर के मंडावर थाने के मौहल्ला शाह विलायत का है। यहां रहने वाले हिफजान अहमद ने 20 मई को पुलिस को अपने चाचा शहजाद अहमद की मौत को सूचना दी। उन्होंने पुलिस से कहा कि अचानक 19 मई की रात को उनके चाचा की मौत हो गई, लेकिन उनको लगता है कि उनके चाचा की स्वभाविक मौत नहीं हुई है।

इस सूचना पर मंडावर पुलिस शहजाद अहमद के घर पहुंची। पुलिस ने परिवार वालों से शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए कहा। इसपर मृत शहजाद अहमद के बेटे अम्मार और हम्माद के अलावा दो-तीन अन्य लोगों ने पोस्टमार्टम कराने पर आपत्ति जताई, लेकिन पुलिस की सख्ती के सामने उनकी एक न चली। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि शहजाद अहमद की मौत दम घुटने से हुई। साथ ही उनके शरीर पर कई जगह चोट के निशान भी पाए गए।

पुलिस ने की पत्नी और दोनों बेटों से पूछताछ

पुलिस ने मृतक शहजाद अहमद की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद उसकी पत्नी शगुफ्ता परवीन और बेटों अम्मार और हम्माद से अलग अलग पूछताछ की। पुलिस ने तीनों की बातो में विरोधाभास पाया। अम्मार ने पुलिस को बताया कि वो दिल्ली गया हुआ था। 20 मई को अब्बु की मौत की सूचना मिलने पर आया था। इसके बाद पुलिस ने आस पास के घरों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग चैक की।

पिता से थी बोलचाल बंद

इसमें पुलिस ने पाया कि 19 मई की रात साढ़े नौ बजे अम्मार अपने घर की ओर जा रहा था, जबकि उसने पुलिस को ये बताया था कि वो दिल्ली गया था और 20 मई को आया था। इसके बाद पुलिस ने अम्मार से सख्ती से पूछताछ की। तब अम्मार टूट गया। उसने पुलिस को बताया कि उसके अब्बु अपनी सम्पत्ति बेचना चाहते थे, उन्होंने पुश्तैनी जमीन से हमें बेदखल करने का अखबार में इश्तेहार भी छपवाया था। इस वजह से आपस में बोलचाल भी बंद हो गई थी।

दोनों भाइयो में संपत्ति बाटने को समझाया

अम्मार ने बताया कि कई दिनों से वो अपनी मां के साथ अपने अब्बु को समझाकर संपत्ति दोनों भाइयों के नाम करने की मांग कर रहा था, लेकिन अब्बु सारी जायदाद किसी और को ही देना चाहते थे। 17 मई को भी मां और मैंने अब्बु को समझाया, लेकिन उन्होंने साफ कह दिया कि वह इसी महीने प्रोपर्टी का बैनामा कर देगें। इस पर आपस में काफी कहासुनी हुई थी और वो रात को ही दिल्ली चला गया था। 19 मई की रात साढ़े नौ बजे वह दिल्ली से फिर अपने घर पहुंचा।

मां और बेटे ने ऐसे किया कत्ल

उसने बताया कि इसके बाद रात को 11 बजे मैंने अपने अब्बु को प्रोपर्टी अपने और अपने भाई के नाम करने को लेकर समझाना चाहा, जिसपर उसके अब्बु ने साफ मना करते हुए उसे और उसकी मां को लालची कहते हुए दुत्कारा और हाथापाई भी की। इससे आवेश मे आकर उसने और उसकी मां ने अब्बु को चारपाई पर पटक दिया। फिर दोनों ने उनके मूंह पर तकिया और कंबल रख कर दबा दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। उसके बाद उन्हें कम्बल उढ़ा दिया और चारपाई पर मच्छरदानी लगा दी।

बिजनौर एसएसपी ने क्या बताया

पुलिस ने अम्मार के बयान के अनुसार तकिया कंबल जब्त करके उसको और उसकी मां शगुफ्ता परवीन को गिरफ्तार कर लिया। वहीं इस पूरे मामले में बिजनौर पुलिस एसएसपी अभिषेक झा ने बताया कि सम्पत्ति विवाद में हुई शहजाद अहमद की हत्या में उनके बेटे अम्मार और पत्नी शगुफ्ता परवीन को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच जारी है। दूसरे बेटे हम्माद और सलीम नाम के एक अन्य शख्स की गतिविधियों की भी जांच की जा रही है। कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा।

योगी सरकार ने मृतक शिक्षकों के परिजनों को दी बड़ी आर्थिक राहत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने सहायता प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत मृतक शिक्षकों के परिजनों के लिए महत्वपूर्ण फैसला लिया है। अब सेवाकाल के दौरान निधन होने पर परिजनों को मृत्यु उपदान (डेथ ग्रेच्युटी) का भुगतान शासनादेशों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाएगा। इस संबंध में शासन ने 24.12.1983, 30.03.1983 और 04.02.2004 के आदेशों के संदर्भ में नवीन आदेश जारी कर दिए हैं।प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि ऐसे शिक्षक जिनकी मृत्यु 58 वर्ष की आयु से पूर्व हुई हो और जिन्होंने सेवानिवृत्ति का विकल्प नहीं लिया था, तथा जिन शिक्षकों ने 60 वर्ष की सेवानिवृत्ति का विकल्प भरा लेकिन निर्धारित अवधि से पहले निधन हुआ, उनके परिजनों को मृत्यु उपदान दिया जाएगा।

राहुल भारत को विदेश में बदनाम करते है : ओमप्रकाश राजभर

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। पंचायतीराज विभाग के मंत्री ओमप्रकाश राजभर का आज जिले में आगमन हुआ। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के दोस्तपुर स्थित टोल प्लाज़ा पर मंत्री का स्वागत अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत हरिओम नारायण, जिला पंचायत राज अधिकारी अभिषेक शुक्ल और जिला पंचायत के राजस्व निरीक्षक जितेंद्र बहादुर सिंह ने भव्य रूप से किया। मंत्री राजभर ने जिले में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त किया और ज़मीनी स्तर पर कार्यों को और गति देने के निर्देश दिए।

दौरे पर आए कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा जो कार्यकर्ता एमएलए या एमपी का चुनाव नहीं लड़ सकता, वो पंचायत का चुनाव लड़ता है। राहुल गांधी पर बोले- वे जब भी विदेश जाते हैं, भारत को बदनाम करते हैं। वहीं अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि अब अखिलेश के पास कोई ठोस जिम्मेदारी नहीं बची है, वे केवल विरोध की राजनीति में लगे रहते हैं। ओपी राजभर अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने सुलतानपुर पहुंचे थे। कलेक्ट्रेट परिसर में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान जिलाधिकारी कुमार हर्ष, भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद प्रभारी मंत्री ने कलेक्ट्रेट के नवीन सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा की। ओपी राजभर ने जाते समय मीडिया से बातचीत की। उन्होंने आगामी पंचायत चुनाव, राहुल गांधी, अखिलेश यादव और प्राथमिक शिक्षा पर बात की। ओपी राजभर ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी गठबंधन की राजनीति से दूरी बनाए रखेगी। उन्होंने कहा कि समझौते में लड़ने पर कम सीटें मिलती हैं, जिससे छोटे नेताओं को मौका नहीं मिल पाता। यही वजह है कि हम हमेशा कोशिश करते हैं कि ज़्यादा से ज़्यादा अपने नेताओं को चुनाव मैदान में उतारें। हम पहले भी अकेले लड़े हैं और आगे भी अकेले लड़ेंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए ओपी राजभर ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जब भी विदेश जाते हैं, भारत को बदनाम करते हैं। जब उनकी पार्टी 60 साल तक सत्ता में थी, तब उन्होंने विदेश नीति क्यों नहीं सुधारी। अगर बेहतर नीति बनाई होती, तो आज ऐसी नौबत नहीं आती। व्यक्ति विशेष के बयान को लेकर अखिलेश यादव जिस तरह प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

पुलिस मुठभेड़ में हत्यारोपी दो आरोपी गिरफ्तार

सुल्तानपुर। पुलिस मुठभेड़ में हत्या के दो आरोपी गोली लगने से धायल हो गये, दोनो की पहचान राकेश विश्वकर्मा हत्याकांड के आरोपी अजय निषाद और दिवाकर यादव उर्फ फोटु यादव के रूप में हुई। जिन्हे पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल भेजा गया। घटना बीती देर रात की है। पुलिस को सूचना मिली कि राकेश विश्वकर्मा हत्याकांड के आरोपी नोनरा बाजार की तरफ जा रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी। घायल आरोपियों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। यह मामला 3 अप्रैल को कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के मुड़ीलाडीह में हुई राकेश विश्वकर्मा की हत्या से जुड़ा है। राकेश को उनके घर से कुछ दूर गोली मारी गई थी। उनके दाहिने सीने और बाएं हाथ में गोली लगी थी। राजकीय मेडिकल कॉलेज में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था।

वायरल वीडियो में भाजपा जिलाध्यक्ष के साथ दिख रही महिला आई सामने, बताई उस दिन की पूरी हकीकत

आर्यावर्त संवाददाता

गोंडा। यूपी के गोंडा में भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखे जा रहे हैं। इसके बाद से लोग अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अब मामले में वीडियो में दिख रही महिला सामने आई है। महिला ने छपिया थाने में उसे बदनाम करने के आरोप में अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया है।

महिला ने कहा कि 12 अप्रैल को वह लखनऊ से वापस आ रही थी। रात को करीब 9:30 बज गए थे। मेरी तबीयत खराब लग रही थी। प्यास लगी थी। मुझे चक्कर सा आ रहा था। इसलिए मैंने जिला अध्यक्ष के पास फोन किया। उनसे कहा कि मेरी तबीयत खराब है। हम यहां स्टेशन पर हैं। हमको थोड़ी देर कहीं रुकने के लिए जगह दे दीजिए या घर भिजवा दीजिए। इस पर जिला अध्यक्ष बोले रुको 10 मिनट में आता हूं।

...तभी पैर फिसला और मुझे चक्कर आ गया

थोड़ी देर बाद जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप आए। उन्होंने मुझे रेलवे स्टेशन से रिसीव किया। इसी समय उनका कोई अर्जेंट कॉल आ गया। इस पर वह हमको कार्यालय लेकर गए। कहा कि तुम थोड़ी देर यहां रुक जाओ। मैं अभी आता हूं। मैं ऊपर चढ़कर जा रही थी, तभी पैर फिसला और मुझे चक्कर आ गया। पीछे जिला अध्यक्ष खड़े थे, उन्होंने तुरंत मुझे थाम लिया। चक्कर आने पर उन्होंने मुझे सहारा दिया। इसके बाद कमरे तक ले जाकर छोड़ा। कहा कि तुम यहां रुक जाओ। मैं थोड़ी देर बाद आता हूं तब किसी से घर भिजवा दूंगा।

जिलाध्यक्ष से हमारे पारिवारिक संबंध हैं

महिला ने आगे कहा कि लोग इसे अलग एंगल देकर हमें बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। जिलाध्यक्ष कभी गलत नहीं थे। मैं पिछले तीन साल से उनको जानती हूं। हमारे घर से उनके पारिवारिक संबंध हैं। हमें भरोसा था तभी उनको कॉल किया था। वह मेरे पिता तुल्य हैं। मेरे पति भी उनको परिवार का सदस्य मानते हैं। मेरे दो बच्चे भी हैं। मैं लड़की नहीं हूं, कोई अनजान बच्ची नहीं हूं। मुझे कोई बहला नहीं सकता।

आगे कहा कि जिन लोगों ने जो अफवाह फैलाई है। मैंने थाने में उनके खिलाफ शिकायत कर दी है। अब भी यदि लोग नहीं मानेंगे तो मैं मानहानि का दावा भी करूंगी। महिला आयोग जाऊंगी। मेरी भी इज्जत है। हमारे जिलाध्यक्ष की भी इज्जत है। लोग गलत तरीके से वीडियो वायरल कर रहे हैं। अफवाह फैला रहे हैं। इसे राजनीतिक मामला बनाकर बदनाम कर रहे हैं।

'शादी में जा रहा हूं...' यह कहकर घर से निकला युवक, फिर खेत में मिला शव...रेत दिया गया था गला

आर्यावर्त संवाददाता

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर में एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। युवक को अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। वारदात शराब के ठेके के पास हुई थी। पुलिस शराब को लेकर आपसी विवाद और प्रेम प्रसंग के एंगल पर जांच कर रही है। ये मामला अकबरपुर थाना क्षेत्र के जमुनीपुर बाजार का है, जहां रविवार देर रात कुछ लोगों ने एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी।

दरअसल, अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कोटवा किरूनी के रहने वाले 23 वर्षीय विपुल वर्मा का कुछ लोगों ने धारदार हथियार से गला रेत दिया। गांव में शराब की दुकान के पास एक खेत में इस वारदात को अंजाम दिया गया। गला रेतने के बाद घायल अवस्था में युवक अपने घर की ओर भागा। लेकिन रास्ते में ही गिर पड़ा। पुलिस को सूचना मिली तो घायल युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां युवक की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टर ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया। लखनऊ ले जाते समय रास्ते में ही युवक की मौत हो गई।

शादी में जाने के लिए निकला था युवक

मृतक युवक विपुल वर्मा रविवार देर शाम अपने घर से एक शादी समारोह में जाने के लिए निकला था। अकबरपुर के होटल में आयोजित शादी समारोह में उसे शामिल होना था। लेकिन वह गांव के पास शराब के ठेके पर पहुंच गया। शराब का ठेका उसी खेत के बगल में है, जहां मृतक का गला रेता गया था। घटनास्थल से शराब की दो बोतलें भी बरामद की गई हैं।

दो एंगल पर जांच कर रही है पुलिस

वारदात की सूचना मिलते ही एसपी केशव कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक हरेंद्र कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। बताया जा रहा है कि पुलिस शराब पीने को लेकर हुए विवाद और प्रेम प्रसंग, इन दो एंगलों पर मामले की जांच कर रही है। अपर पुलिस अधीक्षक हरेंद्र कुमार ने बताया कि देर रात घटना की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। मौके से शराब की दो बोतलें, नमकीन का पैकेट और अन्य सामान मिला है। जांच के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं, जो हत्या की वजह और हत्यारों का जल्द खुलासा कर देंगी।

ग़रीब निवाज हकीमी दवाखाना का किया उद्घाटन

सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के पारा चौराहे स्थित बल्दीराय रोड पर सोमवार को ग़रीब निवाज हकीमी दवाखाना का उद्घाटन किया गया। इस दवाखाने का शुभारंभ समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व ब्लॉक प्रमुख यशभद्र सिंह मोनू ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मोनू सिंह ने कहा हकीमी चिकित्सा पद्धति भारतीय परंपरा की एक अमूल्य धरोहर है। वर्षों बाद इसे पुनः स्थापित करना निश्चित रूप से सराहनीय कदम है। हकीम मोहम्मद अहमद खान द्वारा संचालित इस दवाखाने में हकीमी पद्धति से मरीजों का इलाज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हम वर्षों तक मुंबई में रहकर हकीमी पद्धति से लोगों की सेवा करते रहे हैं। अब अपने क्षेत्र में लोगों की सेवा के उद्देश्य से यह दवाखाना खोला गया है। इस उद्घाटन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

29 कैप्सूल और 24 घंटे, तस्करों के पेट से निकाला एक किलो सोना, सभी को किया था अगवा

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद में बदमाशों के चंगुल से छुड़ाए गए दुबई से लौटे रामपुर के टांडा निवासी चार सोना तस्करों के पेट से डॉक्टरों ने 24 घंटे में सोने के 29 कैप्सूल निकाले हैं। एक कैप्सूल का वजन करीब 35 ग्राम है। पुलिस के अनुसार एक किलो से ज्यादा का सोना बरामद किया गया है। डॉक्टरों की टीम ने दो दिन तक सभी आरोपियों की निगरानी की थी। उधर, पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है।

इससे पहले कस्टम विभाग के अधिकारियों की टीम ने भी तस्करों से पूछताछ की। रामपुर जिले के टांडा बादली निवासी शाने आलम, मुतल्लवी, अजहरुद्दीन और जुल्फेकार दुबई में जबकि मो. नावेद व जाहिद अली सऊदी अरब में नौकरी करते थे। शुक्रवार को देश आने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट से सभी छह लोग कार से अपने घर लौट रहे थे। लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर पुराने टोल प्लाजा के पास से बदमाशों ने अपहरण कर लिया था। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार कर सभी छह लोगों को सकुशल बचा लिया था।

बदमाशों से पूछताछ में मिली सूचना के बाद पुलिस ने विदेश से लौटे सभी छह लोगों का अल्ट्रासाउंड कराया तो दुबई से लौटने वाले चार लोगों के पेट में सोना होने की पुष्टि हुई थी, जबकि सऊदी से लौटे लोगों के पेट में कुछ नहीं मिला था।

डॉक्टरों की टीम ने रात तक चार लोगों के पेट से सोने के नौ कैप्सूल बरामद किए थे। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि रविवार को भी सोना तस्करों के पेट से कैप्सूल निकालने की कवायद की गई।

देर रात तक चारों के पेट से कुल 29 कैप्सूल निकाले जा चुके हैं। विदेश से लौटे सभी छह लोग पुलिस की हिरासत में हैं। सोना तस्करों के खिलाफ मूंढापांडे थाने में मुकदमा दर्ज कराने की तैयारी की जा रही है।

टांडा इलाके में पुलिस दबिश, दो भाइयों को पकड़ा

मुरादाबाद और रामपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने टांडा कस्बे के मोहल्ला हाजीपुरा में रविवार रात बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने मोहल्ले को चारों ओर से घेरते हुए एक मकान पर दबिश दी और दो सगे भाइयों को हिरासत में ले लिया। आरोप है कि ये दोनों न केवल अंतरराष्ट्रीय सोना तस्करी गिरोह से जुड़े हैं, बल्कि हाईवे पर हाल में हुए अपहरण व लूटकांड में भी इनकी भूमिका बतौर मुखबिर भी हो सकती है। इस अचानक हुई कार्रवाई से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। देर रात बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती और इलाके की घेराबंदी से लोग दहशत में आ गए। हालांकि पुलिस ने मौके पर कुछ भी बताने से इनकार कर दिया और पूरी कार्रवाई को गोपनीय रखा। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि तस्करी और अपहरण की इस वारदात की जानकारी रामपुर के टांडा कस्बे से कुछ लोगों ने बदमाशों तक पहुंचाई थी।

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों को पर्यटन से जोड़ रही है योगी सरकार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन का विस्तार योगी सरकार की प्राथमिकता है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा ग्रामीण पर्यटन परियोजना के पर्यटन स्थल के निकट के गांवों को ग्रामीण पर्यटन गांव के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत, स्थानीय हितधारकों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय महिलाओं और युवाओं को पर्यटन से जुड़ी विभिन्न उत्पाद के निर्माण एवं सेवाओं की ट्रेनिंग दी जा रही है ताकि उन्हें आत्म निर्भर बनाया जा सके। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी अपराजिता सिंह का कहना है इसके लिए ओडीओपी और लोकल क्राफ्ट्स को चुना गया है। प्रयागराज मंडल में 465 और प्रयागराज जिले में 185 महिलाओं को इसके लिए चयनित किया गया है । प्रयागराज के गाढ़ा कटरा, घूरपुर और श्रृंगवेरपुर उपरहार गांवों में इसकी ट्रेनिंग महिलाओं को दी जा रही है । होम स्टे ऑनर्स, लोकल बोटमैन और लोकल गाइड जैसी सेवाओं की ट्रेनिंग भी इसी का हिस्सा है जिसके लिए मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट लखनऊ के ट्रेनर्स की सेवाएं ली जा रही हैं।

पर्यटन स्थल की पहचान से मेल खाते क्राफ्ट्स की दी जा रही है ट्रेनिंग

प्रयागराज। पर्यटन विभाग की इस परियोजना को कार्यदाई संस्था एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट स्ट्डीज धरातल में उतार रही है। संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर आनंद सागर तिवारी बताते हैं कि प्रयागराज में इसके लिए 11 क्राफ्ट और सेवाओं का चयन कर ग्रामीण क्षेत्र में उनकी ट्रेनिंग दी जा रही है। इन क्राफ्ट में जूट क्राफ्ट एंड हैंडबैग मेकिंग, मूंज क्राफ्ट एंड मोती की माला मेकिंग, प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियां बनाना, गोबर से विभिन्न उत्पाद बनाना, आंवला उत्पाद और एंब्रायडरी शामिल है। क्राफ्ट्स की कुशल ट्रेनर्स को इसके लिए गांव गांव ट्रेनिंग के लिए भेजा गया है । ट्रेनर्स कॉर्डिनेटर वंदना राठौर बताती हैं कि महिलाओं को ट्रेनिंग देने के लिए उन्हीं क्राफ्ट को चुना गया है जिनके रा मटेरियल स्थानीय स्तर पर सहजता में उपलब्ध हो। गाय का गोबर, मंदिरों में पूजा के लिए इस्तेमाल हो चुके फूल , मूंज और जूट को इसके लिए प्राथमिकता दी गई है । धार्मिक पर्यटन से जुड़े क्षेत्रों में गाय के गोबर से बने स्वास्तिक जैसे धार्मिक प्रतीक, दरवाजे में लगाए जाने वाले वंदनवार और हैंगिंग इसी के अंतर्गत आते हैं।

पत्नी को बोले- साथ में खाएंगे खाना....फिर अपराधियों के साथ मुठभेड़ में हो गए शहीद, कांस्टेबल सौरभ की शहादत पर शामली में पसरा मातम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गाजियाबाद। गाजियाबाद के नाहल में बदमाशों की गोली से शहीद कांस्टेबल सौरभ देशवाल ने दबिश पर निकलने से पहले अपनी पत्नी को फोन किया था। कहा था कि अभी कहीं जा रहे हैं, लौटकर आते हैं तो साथ में खाना खाएंगे। घर में पत्नी उनका इंतजार कर रही थी। वह खुद तो नहीं आए, लेकिन थोड़ी ही देर बाद उनकी मौत की खबर आ गई। इस खबर के बाद से ही उनके घर में मातम का माहौल है। पत्नी आयुषी का रो-रोकर बुरा हाल है। उसे बार-बार दौरे पड़ रहे हैं।

घर वाले उसे समझाने की खूब कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह हर किसी से यही सवाल कर रही है कि दो बच्चों के साथ यह पहाड़ जैसी जिंदगी अकेले कैसे काटेगी। शामली के आदर्श मंडी थाना क्षेत्र में देव गांव के रहने वाले नोएडा पुलिस के कांस्टेबल सौरभ देशवाल पुलिस पार्टी के साथ रविवार की रात गाजियाबाद के नाहल गांव में दबिश देने गए थे। इस दौरान बदमाशों के साथ आमना सामना हुआ। जिसमें उन्हें गोली लग गई थी। इस घटना में गंभीर रूप से घायल सौरभ की इलाज के दौरान मौत हो गई।

2017 में हुए भर्ती

सौरभ देशवाल अपने घर में इकलौते कमाने वाले थे। वहीं उनके पिता उत्तम कुमार और बड़े भाई रजत देशवाल गांव में ही खेती बाड़ी का काम करते है। बचपन से ही पुलिस फोर्स में जाने की इच्छा रखने वाले सौरभ ने अपनी मेहनत के दम पर पुलिस में नौकरी तो हासिल कर ली, लेकिन मुश्किल से 8 साल के कार्यकाल में ही वह शहीद हो गए। पुलिस फोर्स में आने के बाद उनके साहस और दिलेरी की वजह से हमेशा उन्हें एसओजी टीम में पोस्टिंग मिली। लेकिन यही साहस और दिलेरी उनकी जान पर भारी पड़ गई।

तीन दिन पहले हुई पिता से बातचीत

कांस्टेबल सौरभ के पिता उत्तम कुमार ने बताया कि तीन दिन पहले उनकी सौरभ से बात हुई थी। वह जल्द गांव आने की बात कह रहे थे, लेकिन यह किसको पता था कि अब वह कभी नहीं आएंगे। वहीं बड़े भाई रजत ने बताया कि घटना से कुछ घंटे पहले ही उनकी बात हुई थी। उन्होंने बताया कि सौरभ ने शामली के सेंट फ्रांसिस स्कूल से दसवीं तक की पढ़ाई की थी। इसके बाद उसने सिल्वर बेल्ट से 12वीं और सिल्वर मैनेजमेंट से बीकॉम की पढ़ाई किया। पढ़ाई के दौरान ही वह साल 2017 में यूपी पुलिस में भर्ती हो गया था।

नोएडा पुलिस ने दिया एक दिन का वेतन

कांस्टेबल सौरभ के परिजनों के लिए नोएडा पुलिस संबल बनेगी। इसकी पहल खुद नोएडा पुलिस कमिश्नर ने की है। उन्होंने ऐलान किया कि वह अपनी तनख्वाह से एक लाख रुपये शहीद के परिजनों को देंगी। इसी के साथ नोएडा पुलिस फोंस ने भी सर्व सहमति से एक दिन का वेतन सौरभ के परिजनों को देने की घोषणा की है। यह राहत राशि सरकार से मिलने वाली राहत राशि से अलग है।

बेसिक शिक्षा विभाग की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास, डिप्टी सीएम बोले- बीमारू राज्य से विकासशील बना यूपी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसमें 139 उच्चीकृत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के नवनिर्मित भवनों एवं अतिरिक्त डॉरमेट्री का लोकार्पण किया गया। 43 मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालयों एवं 66 मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयों का शिलान्यास किया। साथ ही ड्रेस, स्वेटर, स्कूल बैग, जूता-मोजा एवं स्टेशनरी क्रय हेतु प्रति छात्र-छात्रा 12 सौ रुपये बच्चों के माता-पिता या अभिभावक के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव बेसिक

माध्यमिक दीपक कुमार, सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा आदि उपस्थित रहे।

विकासशील राज्य बना यूपी-ब्रजेश पाठक

इस मौके पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि 2017 में भाजपा सरकार बनी। यूपी बीमारू राज्य के धब्बे से निकालकर विकासशील राज्य बना है। पानी, बिजली, सड़क, अस्पताल, कानून व्यवस्था की देश भर में चर्चा है। अब टूटी सड़क नहीं मिलती है। लोग बाहर जाते हैं तो उनको सम्मान मिलता है। पहले लोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूल भेजना नहीं चाहते थे। मांटेसरी में ही भेजना बेहतर समझते थे। पहले स्कूलों में 8-10 बच्चे ही होते थे। शिक्षक नियमित नहीं जाते थे।

सरकारी स्कूलों में पहले 1.12 करोड़ बच्चे थे, अब 1.90 करोड़ बच्चे हैं। पहले ड्रेस खाकी मिलती थी। सिंडिकेट मिडडे मील खाता था। आज बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल रहा है। केजीबीवी में आवासीय सुविधा के साथ शिक्षा दे रहे हैं। छात्राए हर क्षेत्र में बेहतर कर रही हैं। सीएम मॉडल कंपोजिट स्कूल में 1 से 12वीं तक की पढ़ाई होगी। विभाग ने अद्भुत प्रगति की है। देश, प्रदेश को आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता है। हम आर्थिक क्षेत्र में चौथे स्थान पर आ गए हैं। पहले 11वें स्थान पर थे। जल्द ही विश्व में तीसरे स्थान पर पहुंचेगे।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकियों को मारा। उनके अड्डे को नष्ट किया। क्या पहले यह संभव था। मुंबई की घटना याद है। पीएम मोदी के नेतृत्व में घर में घुसकर मारने वाले हैं। भारत माता का झंडा लहराएंगे। रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बन रहे हैं। यूपी भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। गेहूं, चीनी उत्पादन में नंबर एक है। अब शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नंबर बनेंगे। पहले बिजली कभी-कभी आती थी। आज पर्याप्त बिजली मिल रही है।

यह सिर्फ कार्यक्रम नहीं बल्कि शिक्षा की क्रांति का पर्व है-संदीप सिंह

कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि आज जो डीबीटी हस्तांतरण, अन्य योजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास का कार्यक्रम है। यह सिर्फ कार्यक्रम नहीं बल्कि शिक्षा की क्रांति का पर्व है। बीते आठ साल में जो काम हुए हैं वह भविष्य निर्माण की एक योजना है।

सीएम के नेतृत्व में शिक्षा ने समृद्धि की ओर कदम बढ़ाए हैं। उत्तर प्रदेश में शिक्षा अब केवल सरकार की योजना मात्र नहीं, बल्कि जनआस्था बन चुकी है। आठ साल में बेसिक में 1.32 लाख स्कूलों की तस्वीर 11 हजार करोड़ का निवेश, ऑपरेशन कायाकल्प में किया है। 19 पैरामीटर पर काम किए गए हैं। पहले 36 फीसदी थी, आज 96 फीसदी प्राप्त किया है।

पाठ्यक्रम में बुनियादी बदलाव भी किए गए

उन्होंने आगे कहा कि केजीबीवी के माध्यम से बालिका शिक्षा को बढ़ावा मिल रहा है। पहले कक्षा छह से आठ तक की व्यवस्था थी। अब 746 केजीबीवी को 12वीं तक उच्चीकृत कर रहे हैं। 683 उच्चीकृत हो चुके हैं। सभी 746 में स्मार्ट क्लास और डारमेट्री बनी है। आईआईटी गांधी नगर के सहयोग से कार्यक्रम चल रहा है। पाठ्यक्रम में बुनियादी बदलाव किया है। एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लिया गया है। इसे संशोधित करके लागू किया है।

पाठ्य पुस्तक पहुंचने की समय से व्यवस्था की है। हर साल दे रहे हैं। नवाचार लर्निंग बाई डूइंग की व्यवस्था की है। चार ट्रेड में भी कार्यक्रम चला रहे हैं। इस साल नया प्रयोग समर कैंप का किया गया है। 21 मई से 10 जून तक कैंप में जीवन कौशल और रचनात्मकता की शिक्षा दे रहे हैं।

सीएम मॉडल कंपोजिट विद्यालयों की स्थापना की जाएगी

आज 3276 करोड़ की परियोजना का लोकार्पण व शुभारंभ हो रहा है। हर जिले में सीएम मॉडल कंपोजिट विद्यालयों की स्थापना की जाएगी। आज 38 जिलों के लिए 447 करोड़ का शिलान्यास होगा। सीएम अभ्युदय विद्यालय, पहले से चल रहे स्कूलों को अपग्रेड करेंगे। आज 66 विद्यालय का शिलान्यास, बाकी 1.42 करोड़ से अपग्रेड होंगे।

यूपी के मंत्री राजभर बोले- अकेले लड़ेंगे पंचायत चुनाव, साथ रहने पर कम सीटें मिलती हैं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर सुल्तानपुर पहुंचे। यहां मीडिया से बात करते हुए ओपी राजभर ने पंचायत चुनाव पर कहा कि पंचायत चुनाव छोटे चुनाव होते हैं। जो कार्यकर्ता विधायकी नहीं लड़ सकता, एमपी नहीं लड़ सकता। वो पंचायत चुनाव लड़ सकता है। वो पांच साल, दस साल मेहनत करता है तो उसको भी लड़ने का मौका मिलेगा।

पंचायत चुनाव में भाजपा के साथ लड़ने पर उन्होंने कहा कि समझौते में लड़ते हैं तो कम सीटें मिलती हैं, जिससे छोटे नेताओं को दिक्कत होती है इसलिए सबका प्रयास होता है कि हम ज्यादा से ज्यादा अपने नेताओं को चुनाव लड़ाएं। उन्होंने कहा हम तो अकेले लड़ते ही आए हैं अकेले लड़ेंगे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर उन्होंने कहा राहुल गांधी एक ऐसे नेता हैं जब भी विदेश में जाते हैं तो भारत को कटघरे में खड़ा करते हैं। जब 60 साल से उनकी सरकार थी तो उन्होंने क्यों विदेश नीति बढ़िया नहीं बनाई। उन्होंने बेहतर बनाई होती तो आज यह नौबत नहीं होती।

ओपी राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा था कि बच्चों में अलग-अलग प्रतिभाएं हैं। कोई खेल के प्रति तो कोई नृत्य के प्रति जागरूक है। कोई शिक्षा के प्रति जागरूक है। सरकार बेहतर करने के लिए प्रयासरत है। आप जब विद्यालय में जाएंगे तो देखेंगे कि विद्यालय का स्वरूप जो कल था उसमें आज बड़ा परिवर्तन आपको नजर आएगा। अब हमारे अध्यापक बच्चों के प्रति जो उनकी जिम्मेदारी है उसका निर्वहन कर रहे हैं। सरकार की तरफ से जो सुविधाएं हैं उन्हें उपलब्ध करा रहे हैं।

वहीं, उन्होंने कहा कि हमारे महापुरुषों ने देश और समाज के लिए जो भी किया उसे इतिहास से विलुप्त कर दिया गया था। लोगों को जानकारी नहीं हो पाती थी। आज उस इतिहास को हमारी एनडीए की सरकार अभियान चलाकर सभी महापुरुषों के बारे में जनता को बता रही है। ओपी राजभर ने ये भी कहा कि मुख्यमंत्री की स्पष्ट सोच है उनका कहना है कि सबका साथ सबका विकास। हमारा प्रयास है कि बेसिक शिक्षा के स्कूलों में हमारे बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले। हमारी सरकार आधुनिक युग की सभी सुविधाओं से प्राथमिक स्कूलों को लैस करना चाहती है।

रेरा की साप्ताहिक समीक्षा बैठक सम्पन्न, प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण पर दिया गया जोर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) की साप्ताहिक समीक्षा बैठक सोमवार को रेरा मुख्यालय, लखनऊ में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रेरा अध्यक्ष भूसरेड्डी ने की, जबकि नोएडा कार्यालय के अधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।अध्यक्ष ने बैठक के दौरान विन्दुवार विभिन्न विषयों की गहन समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के शीघ्र एवं प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक में रेरा अधिनियम की धारा-31 के अंतर्गत दर्ज शिकायतों की स्थिति, अवमानना याचिकाओं, अपीलों, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में लंबित वादों, ट्रिब्यूनल में चल रहे प्रकरणों और रिट याचिकाओं की स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

यूपी में मायावती के लिए खुल रहे नए सियासी गलियारे... कांग्रेस नेता के बयान ने मचाई खलबली

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है, जिससे इंडिया गठबंधन पर सवाल उठने लगे हैं। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस सपा से अलग होकर चुनाव लड़ेगी, तो पार्टी का प्रदर्शन कहीं बेहतर होगा। इसके साथ ही, उन्होंने 2027 में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के साथ गठबंधन की संभावना जताई, जिससे प्रदेश की राजनीति में हलचल मच गई है। मसूद ने यह भी कहा कि कांग्रेस और बसपा के गठबंधन के लिए बसपा को विचार करना चाहिए।

हाल के दिनों में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के नेताओं के बीच जिस तरह की बयानबाजी हुई है, उसने सपा-कांग्रेस गठबंधन को लेकर अटकलों को हवा दी है। इमरान मसूद ने तो यहाँ तक कह

दिया था कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को किसी सहारे की जरूरत नहीं है और वह राहुल गांधी के कारण चुनाव जीतती है। अब उन्होंने बसपा के साथ गठबंधन की बात उठाकर एक नई राजनीतिक बहस शुरू कर दी है। सियासी विश्लेषकों का मानना है कि सपा से कांग्रेस की बढ़ती दूरी का फायदा मायावती को मिल सकता है। उत्तर प्रदेश में छह लोकसभा सीटें जीतने के बाद कांग्रेस अब नई ऊर्जा के साथ प्रदेश में अपनी जड़ें मजबूत करने की कोशिश में जुटी है। दूसरी ओर, अपने सबसे कमजोर दौर से गुजर रही बसपा भी जमीनी स्तर पर पार्टी को फिर से मजबूत करने के प्रयास में लगी है। सपा के साथ गठबंधन टूटने की स्थिति में कांग्रेस बसपा की ओर रुख कर सकती है, लेकिन यह इतना आसान नहीं है। मायावती अक्सर सपा और कांग्रेस पर हमलावर रहती हैं, और उनके बयानों में कांग्रेस के प्रति नाराजगी साफ झलकती है। उन्होंने कई बार दोहराया है कि उनकी पार्टी अब किसी के साथ गठबंधन नहीं करेगी।

बसपा में आकाश आनंद की वापसी हो चुकी है, और उन्हें पार्टी संगठन को मजबूत करने व युवाओं को जोड़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ऐसे में, अगर कांग्रेस और बसपा के बीच गठबंधन होता है, तो दोनों दलों को फायदा हो सकता है। हालांकि, यह इतना सरल नहीं है, क्योंकि मायावती का मानना है कि गठबंधन से उनकी पार्टी को लाभ के बजाय नुकसान ही होता है।

अलीगंज हनुमान मंदिर में फेस रिकग्निशन सिस्टम की शुरुआत, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन में तकनीक का बड़ा प्रयोग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के अलीगंज क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध नया हनुमान मंदिर में अब दर्शनार्थियों की निगरानी और सुरक्षा तकनीक के सहारे होगी। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने यहां अत्याधुनिक फेस रिकग्निशन सिस्टम का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है, जो भीड़ नियंत्रण, आगंतुकों की पहचान और सुरक्षा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाएगा। यह प्रयोग राज्य के धार्मिक स्थलों पर स्मार्ट टेक्नोलॉजी के समावेश की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने जानकारी दी कि यह एआई-सक्षम प्रणाली अब तक परीक्षण चरण में 6,500 से अधिक यूनिक विजिटर्स को रिकॉर्ड कर चुकी है। साथ ही 96 प्रतिशत की सटीकता दर के साथ चेहरों की वास्तविक समय में पहचान करने में सफल रही है। यह तकनीक संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी, पहली बार आने वाले पर्यटकों की पहचान, और संभावित खतरे को पहले ही चिह्नित करने में मददगार साबित हो रही है।मंत्री ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत मंदिर परिसर में वीआईपी गेट सहित प्रमुख प्रवेश और निकास स्थलों पर हाई-रेजोल्यूशन कैमरे लगाए गए हैं। यह तकनीक न केवल संदिग्ध व्यक्तियों की ब्लैकलिस्ट तैयार कर सकती है, बल्कि भीड़ के दबाव और प्रवाह का पूर्वानुमान लगाकर त्वरित समाधान भी दे सकती है। इसके अलावा यह प्रणाली चोरी या अव्यवस्था की स्थिति में सुरक्षा बलों को तेजी से अलर्ट कर उनकी प्रतिक्रिया समय को कम करने में सक्षम है।ज्ञात हो कि इससे पूर्व लखनऊ के व्यस्त हनुमान सेतु मंदिर में भी इसी तरह की प्रणाली का परीक्षण किया जा चुका है, जिसमें 93 प्रतिशत सटीकता दर दर्ज की गई थी। वहां की सफल प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए अलीगंज हनुमान मंदिर में यह पायलट योजना लागू की गई है।

केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग में यूपी के मेट्रोमैन कुमार केशव की प्रेरणादायक गोष्ठी का आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. सूर्यकान्त द्वारा एक मोटिवेशनल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता कुमार केशव रहे, जिन्होंने उप्र में लखनऊ समेत सभी मेट्रो रेल की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुमार केशव जो कि वर्तमान में डायरेक्टर बिजनेस डेवलपमेन्ट (इंडिया) एण्ड अरबन मोबिलिटी कम्पेटेन्श हब फॉर यूरोपियन इन्वेसट बैंक के प्रोजेक्ट डायरेक्टर हैं, ने चिकित्सकों, रेजिडेन्ट डाक्टर्स एवं स्वास्थ कर्मियों के बीच बहुत ही प्रेरणादायी व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि लखनऊ और कानपुर मेट्रो परियोजनाओं को अनुमानित समय से पहले ही सम्पन्न कराया गया। उनका सर्वोत्तम अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों और गुणवत्ता मापदंडों का पालन करने पर

जोर रहता है। जून 2022 में यूपीएमआसी छोड़ने के बाद, उन्होंने दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के संचालन और रखरखाव के लिए डीबी आरआरटीएस ऑपरेशंस इंडिया लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पदभार संभाला, जो अक्टूबर 2023 में चालू हो गया। उन्होंने अनुभवों को साझा किया तथा बताया कि जीवन में गतिशीलता, समय का पालन, जनसेवा का भाव, ईमानदारी व लगन से कार्य करने पर ही सफलता को प्राप्त किया जा सकता है। कुमार केशव ने के.जी.एम.यू. के चिकित्सकों की तारीफ करते हुए कहा कि देश विदेश में जैसे ही रोगी को पता चलता है कि इलाज करने वाला डाक्टर केजीएमयू से पढ़ा है तो उसकी आधी बीमारी तो ऐसे ही ठीक हो जाती है और उसका विश्वास भी बढ़ जाता है।

कार्यक्रम के संयोजक डा. सूर्यकान्त ने बताया कि कुमार केशव से उनका सम्पर्क तब आया जब उन्होंने मैट्रो रेल कर्मियों के लिए कोविड पर उनका व्याख्यान रखा था। डा. सूर्यकान्त ने अपने सभी उपस्थित चिकित्सकों, रेजिडेन्ट डाक्टर्स एवं हेल्थ वर्कर्स को अपने जीवन में अपने कार्यों के प्रति समर्पण, सकारात्मकता और अपने लक्ष्य से जीवन को कैसे शिखर तक ले जाने हेतु श्री केशव के कार्यों को प्रेरणादायी बताया। विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डा. आर. ए. एस. कुशवाहा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. ज्योति बाजपेई, डा. अंकित कुमार उपस्थित रहे। डा. पंखुडी सरबाही ने कार्यक्रम का संचालन किया। विभाग के समस्त जूनियर डाक्टर, नर्सिंग स्टाफ एवं स्वास्थ कर्मी भी उपस्थित रहे।

लाला महादेव प्रसाद वर्मा बालिका महाविद्यालय, गोसाईं गंज, लखनऊ में भारत सरकार द्वारा संचालित विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रम (एम. ए. तथा एम. एड.) की 21 छात्राओं को गोसाईं गंज चेयरमैन श्री निखिल मिश्रा एवं महाविद्यालय के प्रबंधक श्री अम्बिका प्रसाद वर्मा के कर कमलों द्वारा टेबलेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ नीरज सिंह रघुवंशी, नोडल अधिकारी डॉ दीपा कृष्ण के अतिरिक्त श्री संतोष वर्मा, श्री करन कुमार एवं श्री बृजेश पटेल उपस्थित रहे

परिवार कल्याण महानिदेशालय को बम से उड़ाने की मिली धमकी, कार्यालय कराया गया खाली, जांच जारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार को वजीरगंज स्थित परिवार कल्याण महानिदेशालय को मेल के जरिये बम से उड़ाने की धमकी दी गई। जानकारी मिलते ही अधिकारी व कर्मचारी दफ्तर से बाहर निकल आए। सूचना पर पहुंची पुलिस और बम स्क्वायड टीम जांच में जुट गई है।

परिवार कल्याण महानिदेशालय का कार्यालय जगत नारायण रोड पर स्थित है। दोपहर करीब 1:30 बजे डीजी को एक मेल आया। मेल में कार्यालय को बम से उड़ाने की बात लिखी थी। इससे वहां अफरा-तफरी मच गई। डीजी ने कार्यालय में मौजूद लोगों को बाहर निकलने के निर्देश दिए।

बम स्क्वाड टीम कार्यालय परिसर की जांच में जुटी

निर्देश मिलते ही सभी लोग आनन-फानन बाहर निकल गए। मामले की जानकारी वजीरगंज पुलिस को दी गई। इंस्पेक्टर राजेश त्रिपाठी पुलिस टीम के साथ कार्यालय पहुंचे। पुलिस ने बम स्क्वायड टीम को भी बुलाया। इंस्पेक्टर ने बताया कि बम स्क्वाड टीम पूरे कार्यालय परिसर की जांच कर रही है।

लघु सेतुओं के निर्माण कार्यों को गति, 14 करोड़ से अधिक की धनराशि अवमुक्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि (आरआईडीएफ) योजनान्तर्गत विभिन्न मंडलों के अंतर्गत आने वाले 28 लघु सेतुओं के चालू निर्माण कार्यों के लिए 14 करोड़ 15 लाख 54 हजार रुपये की अवशेष धनराशि अवमुक्त कर दी है। इस संबंध में आवश्यक शासनादेश लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी किया गया है।जिन 28 निर्माण कार्यों के लिए धनराशि जारी की गई है, उनमें मेरठ जनपद के 13, ललितपुर के 3, श्रावस्ती, गौतमबुद्धनगर और एटा के 2-2 तथा अलीगढ़, बांदा, अम्बेडकरनगर, बागपत, प्रयागराज और फिरोजाबाद के 1-1 कार्य शामिल हैं। यह सभी परियोजनाएं पहले से चालू हैं, जिनके लिए अब शेष धनराशि मुहैया कराई गई है ताकि कार्यों को समय पर पूरा किया जा सके।शासनादेश में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अवमुक्त धनराशि का उपयोग केवल स्वीकृत परियोजनाओं पर ही मानकों और विशिष्टियों के अनुरूप किया जाए।

लखनऊ में महिला एवं परिवार कल्याण महानिदेशालय को बम से उड़ाने की धमकी, कर्मचारियों से कार्यालय कराया गया खाली

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में एक सरकारी कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। मेल भेजकर महिला एवं परिवार कल्याण महानिदेशालय को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली है, जिसके बाद परिवार कल्याण महानिदेशक ने एहतियातन कार्यालय को खाली कराने का निर्देश दिया। इसके बाद डॉक्टरों और कर्मचारियों ने कार्यालय को खाली कर दिया है। वहीं, घटना की जानकारी होते ही पुलिस और बम स्क्वॉड दस्ता मौके पर पहुंच गया और छानबीन शुरू कर दी है। जांच के दौरान कोई विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला है।

परिवार कल्याण महादिनेशालय

दरअसल, महिला एवं परिवार कल्याण महानिदेशालय के महानिदेशक की मेल पर सोमवार को कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा पत्र भेजा गया था, जिसके बाद पूरे कार्यालय में हड़कंप मच गया। महानिदेशालय में मौजूद सभी डॉक्टर, अधिकारी और कर्मचारी कार्यालय को छोड़कर बाहर निकल आए, साथ ही महानिदेशक ने धमकी की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस और बम स्क्वॉड दस्ते ने पूरे कार्यालय की जांच की।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, महानिदेशालय की आधिकारिक ईमेल पर सोमवार सुबह एक धमकी भरा मेल आया था, जिसमें महानिदेशालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। मेल में पाकिस्तान का जिक्र होने के साथ ही चीन की खुफिया एजेंसी और पहलगाम हमले की बात भी की गई है। पुलिस की तरफ से यह भी बताया गया है कि कार्यालय को खाली कराकर हर कोने की जांच की गई, लेकिन कोई विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला है।

नेताओं के बिगड़े बोल के लिए राजनीतिक दल ही जिम्मेदार

देश की एकता, अखंडता और सम्प्रभुता के लिए सीमा पार से मिलने वाली चुनौती का भारत ने न सिर्फ वर्तमान में बल्कि पूर्व में बखूबी जवाब दिया है। भारत बाहर से मिलने वाली हर चुनौती से निपटने में सक्षम है। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने यह दृढ़ता विश्व में साबित कर दी है। देश के सामने असली दिक्कत अंदरुनी है। अंदरुनी चुनौतियां से निपटना आसान नहीं हैं, वह भी यदि ऐसी हरकतें नेताओं और जनप्रतिनिधियों द्वारा की जाए। जिन पर हर सूरत में देश की आन-बान-शान को ऊंचा रखने की जिम्मेदारी हो, यदि वो ही निम्नस्तरीय कृत्य पर उतर आएं तो सवाल खड़े होना लाजिमी है। मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह ने भारत की जांबाज सेना की अफसर और जज्बे से देश की आईकोन बनी कर्नल सोफिया के बारे अनर्गल टिप्पणी करके कई सवालों को जन्म दिया है। ऐसा नहीं है कि मंत्री विजय शाह ऐसा कृत्य करने वाले अकेले नेता हैं, जिनकी वजह से देश का नीचा देखना पड़ा है। ऐसा करने वाले नेता की लंबी फेहरिस्त है, जिनके बिगड़े बोल से देश और समाज का सौहार्द्र प्रत्यक्ष या परोक्ष तौर पर प्रभावित हुआ है। मध्यप्रदेश के इस मंत्री को बेशक सजा मिल जाए, इसके बाद भी बड़ा सवाल यही है कि आखिर वह कौनसी वजह है कि नेताओं की जुबान काबू में नहीं रहती। सवाल यह भी है कि वैमनस्य का जहर घोलने वाले ऐसे नेताओं के मामले में कानूनी कार्रवाई का इंतजार क्यों किया जाता है। राजनीतिक दल आगे बढ़ कर कार्रवाई की नजीर पेश क्यों नहीं करते। यदि राजनीतिक दलों ने नेताओं के लिए कोई लक्ष्मण रेखा खींची होती और उसका उल्लंघन करने पर कार्रवाई निर्धारित कर रखी होती तो ऐसी नौबत नहीं आती।

दूसरे शब्दों में कहें तो राजनीतिक दलों की शह ही ऐसे नेताओं के बिगड़े बोलों के लिए जिम्मेदार है। इनकी अनदेखी करने से नेताओं में प्रलाप करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। विगत चुनावों में यदि नेताओं पर दलों ने लगाम कसी होती तो ऐसी पुनरावृत्ति नहीं होती। लोकसभा चुनाव 2024 में प्रचार के दौरान कई बार भाषायी मर्यादा टूटती दिख रही, किन्तु किसी भी पार्टी ने इस पर चिंता नहीं जताई और नेताओं को म्यान में रहने की हिदायतें नहीं दी। कांग्रेस के नेता रणदीप सुरजेवाला ने भाजपा की मथुरा से सांसद हेमा मालिनी के बारे में अमर्यादित टिप्पणी की थी, जिसके बाद चुनाव आयोग की तरफ से कार्रवाई भी की गयी, किन्तु कांग्रेस ने सुरजेवाला के खिलाफ महिलाओं की मर्यादा को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के सोशल मीडिया अकाउंट से एक्ट्रेस कंगना रनौत को लेकर एक आपत्तिजनक पोस्ट शेयर की। इसके जवाब में कंगना ने कहा कि हर महिला गरिमा की हकदार है। हालांकि, विवाद बढने पर सुप्रिया श्रीनेत के अकाउंट से पोस्ट डिलीट कर दी। चुनाव आयोग की तरफ से उन्हें नोटिस दिया गया था। कंगना रनौत भी नाम लेकर निजी टिप्पणी करने में पीछे नहीं रहीं। कंगना ने राहुल गांधी और मंडी सीट से उनके प्रतिद्वंद्वी विक्रमादित्य सिंह को क्रमशः 'बड़ा पप्पू और 'छोटा पप्पू कहा। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान पूर्व प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू और उनके पिता मोतीलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी सहित गांधी-नेहरू परिवार को निशाना बनाया और कांग्रेस को 'एक बीमारी और अंग्रेजों द्वारा छोड़ी गई दीमक करार दिया, जो उनके मुताबिक 2014 तक देश को खा रही थी। हिमाचल की प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा ने रनौत को परी करार देते हुए कहा है कि लोग केवल उन्हें देखने आते हैं। प्रतिभा के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कि कंगना की मां आशा रनौत ने कहा था कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता ये हुस्न परी है, और ये क्या चीज है जैसी टिप्पणियां कर रही हैं और यह भूल गई हैं कि उनके घर में भी बेटियां हैं। उन्होंने कहा कि एक मां होने के नाते मुझे दुख होता है और मुझे लगता है कि ऐसी टिप्पणियों से अन्य मांएं भी दुखी हो रही हैं। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सरकार को गिराने की कोशिशों से नाराज होकर कांग्रेस के बागियों को काले नाग और बिकाऊ करार दिया था और अपने चुनावी अभियान के दौरान भी बिकाऊ बनाम टिकाऊ के नारे का इस्तेमाल किया था। बिहार भाजपा के प्रमुख सम्राट चौधरी के बयान पर काफी विवाद देखने को मिला था। सम्राट चौधरी ने कहा था कि टिकट बेचने में लालू यादव ने अपनी बेटी को भी नहीं छोड़ा। पहले अपनी बेटी की किडनी ली और उसके बाद लोकसभा चुनाव का टिकट दे दिया। सम्राट चौधरी ने कहा था कि आगामी चुनाव में मैदान में उतरने से पहले लालू ने अपनी बेटी की किडनी ले ली। राजद की तरफ से इसे लेकर जमकर आपत्ति जतायी गयी थी। गिरिराज सिंह के बयान पर भी विवाद हुआ था। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा था कि मुस्लिम महिलाओं द्वारा बुर्के की आड़ में मतदान को प्रभावित करने व रोकटोक पर विवाद करने की घटनाएं सामान्य हैं।

किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति गंभीर चुनौती

कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम एवं क्रूर हत्या की हृदयविदारक घटना न केवल उद्वेलित एवं भयभीत करने वाली है बल्कि चिन्ताजनक है

ललित गर्ग

जैसाकि घटना से संबंधित तथ्यों में बताया गया कि हत्या में शामिल युवक धनौरी गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। मारे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम एवं क्रूर हत्या की हृदयविदारक घटना न केवल उद्वेलित एवं भयभीत करने वाली है बल्कि चिन्ताजनक है। चौदह-पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली डरावनी एवं खौफनाक घटना है, जो किशोरों में पनप रहे हिंसक बर्ताव एवं हिंसक मानसिकता का घिनौना एवं घातक रूप है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। ऐसी कई अन्य घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है।

जैसाकि घटना से संबंधित तथ्यों में बताया गया कि हत्या में शामिल युवक धनौरी गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। मारे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। निश्चय ही ऐसे छेड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। यह दुखद है कि एक मृतक किशोर अरमान पांच बहनों का अकेला भाई था। घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है। उनके लिये जीवनभर न भुलाया जा सकने वाला दुख एवं संत्रास पैदा हुआ है। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है? पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर सिनेमा तक उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

बहरहाल, इस हृदयविदारक एवं त्रासद घटना ने नयी बन रही समाज एवं परिवार व्यवस्था पर अनेक सवाल खड़े किये हैं। सवाल नये बन रहे समाज की नैतिकता एवं चरित्र से भी जुड़े हैं। निश्चित ही किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कत्ल होना मर्मांतक एवं खौफनाक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह-पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं? पढ़ने-लिखने की उम्र में ये सोच कहां से आ रही है? क्यों हमारे अभिभावक बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दे पा रहे हैं ताकि वे किसी की बेटी व बहन को यूं परेशान न करें? क्यों लड़कियों से छेड़छाड़ की अश्लील एवं कामूक घटनाएं बढ़ रही है। क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में नैतिक शिक्षा का वह पक्ष उपेक्षित हो चला है, जो उन्हें ऐसा करने से रोकता है? क्या शिक्षक छात्रों को सदाचारी व नैतिक मूल्यों का जीवन जीने की प्रेरणा देने में विफल हो रहे हैं? हत्या की घटना हत्यारों की मानसिकता पर भी सवाल उठाती है कि उन्होंने क्यों सोच लिया कि छेड़खानी का बदला हिंसा एवं क्रूरता से गला काटना हो सकता है? धनौरी की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। दरअसल, दशकों तक बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों ने समाज एवं विशेषतः किशोर पीढ़ी में जिस अपसंस्कृति का प्रसार किया, आज हमारा समाज उसकी त्रासदी झेल रहा है। इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। अब तक हिन्दी सिनेमा से समाज के किशोरवय और युवाओं में गलत संदेश गया कि निजी जीवन में छेड़खानी ही प्रेम कहानी में तब्दील हो सकती है। हमारे टीवी धारावाहिकों की संवेदनहीनता ने गुमराह किया है। बॉक्स आफिस की सफलता और टीआरपी के खेल ने मनोरंजक कार्यक्रमों में ऐसी नकारात्मकता एवं हिंसक प्रवृत्ति भर दी कि किशोरों में हिंसक एवं अराजक सोच पैदा हुई। इंटरनेट के विस्तार और सोशल मीडिया के प्रसार से स्वच्छंद यौन व्यवहार का ऐसा अराजक एवं अनियंत्रित रूप सामने आया कि जिसने किशोरों व युवकों को पथभ्रष्ट एवं दिग्भ्रमित करना शुरू कर दिया। आज संकट ये है कि हर किशोर के हाथ में आया मोबाइल उसे समय से पहले वयस्क बना रहा है। जिस पर न परिवार का नियंत्रण है और न ही शिक्षकों का। 'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वछन्द हो जाते हैं। अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा। आज किशोरों एवं युवाओं को प्रभावित करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व नये-नये एप पश्चिमी अपसंस्कृति से संचालित हैं। इन पर अश्लीलता और यौन-विकृतियों वाले कार्यक्रमों का बोलबाला है। ऐसे कार्यक्रमों की बाढ़ हैं जिनमें हमारे पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों में स्वच्छंद यौन व्यवहार को हकीकत बनाने का खेल चल रहा है। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं एवं यौनाचार ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं, वे आत्मघाती-हिंसक बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं। ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं।

अजब-गजब

800 साल पुरानी ममी के गाल में मिला टैटू, साइंटिस्ट अब स्याही का पता करने में जुटे

दक्षिण अमेरिका में साइंटिस्ट को एक अध्ययन के दौरान 800 साल पुरानी ममी के गाल में टैटू मिला है। जिसके बाद अब साइंटिस्ट्स के अध्ययन की दिशा ही बदल गई है। अब सांइटिस्ट ममी के अध्ययन के साथ ही इस बात का भी अध्ययन करने में जुटे हैं कि आखिर महिला के गाल में किस स्याही से टैटू बनाया गया था, जो 800 साल बाद भी सलामत है।

800 साल पुरानी ममी के गाल में मिले टैटू को देखकर साइंटिस्ट भौचक्के रह गए हैं। इसके पीछे का मुख्य कारण इतने लंबे समय तक महिला के गाल में टैटू की सलामती है। असल में टैटू बनाने के लिए स्याही का इस्तेमाल करीब 1000 साल पहले से होता आ रहा है। लेकिन इस ममी में टैटू वैज्ञानिकों के लिए कई लिहाज से रहस्यमयी है। इसके पीछे का मुख्य कारण ये है कि अमूमन टैटू की स्याही अपने आप उड़ जाती है। जबकि गाल में बना टैटू कुछ ही सालों में मिट जाता है। इस वजह से गाल में टैटू नहीं बनाए जाते हैं।

असल में ममी बनाने की प्रक्रिया एक पुरातन प्रक्रिया है, जिसमें एक विशेष प्रकार के लेप से किसी भी लाश यानी मृत शरीर को लिपटा जाता है। इसका उद्देश्य से मृत शरीर को कीड़ो समेत वायुमंडल में खराब होने से बचाना होता है।

जानकारी के मुताबिक ये ममी दक्षिण अमेरिका निवासी एक महिला की है, जिसकी मौत के बाद 800 साल पहले शरीर को ममी में बदल लिया गया था और तकरीबन 100 साल पहले ही इटली के एक म्यूजियम को दान में दिया गया था।ममी की मुद्रा की बात करें तो वह बह बैठी हुई अवस्था में बनाई गई है।

800 साल पुरानी ममी के गाल में टैटू के पहचान करने के पीछे भी एक कहानी है।असल में इटली के ट्यूरिन विश्वविद्यालय के जियानलुइगी मंगियापेन की अगुआई में मानवविज्ञानी और पुरातत्वविदों की एक टीम ममी का विश्लेषण कर रही थी। इस दौरान टीम ने ममी के गाल पर अनोखे डिजाइन पाए। जिन्हें टीम में अच्छी तरह से संभाल कर रखा। जिन्हें देखना मुश्किल था, लेकिन गाल में कालापन था। इसके बाद टीम नेकई सारी इमेजिंग तकनीकों के साथ, ममी के गाल पर बने टैटू की पहचान करने में सफलता पाई है।

ब्लॉग

युद्ध काल में लक्ष्मणरेखा लांघता विपक्ष

मृत्युंजय दीक्षित

पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए क्रूर आतंकी हमले की सूचना मिलते ही गृह मंत्री अमित शाह कश्मीर पहुंच गए, प्रधानमंत्री मोदी विदेश दौरा बीच में ही रोक कर वापस आए, एअरपोर्ट पर ही सम्बंधित अधिकारियों के साथ बैठक की, और अगले ही दिन आतंकियों और उनके पीछे पीछे शत्रुओं को ऐसा दंड देने की घोषणा की जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। इसके बाद सरकार के सभी अंग अपने अपने काम पर लग गए और विपक्ष सरकार का उपहास उड़ाने में। सरकार ने पहले बड़े कूटनीतिक निर्णय लेते हुए सिन्धु जल समझौते को स्थगित किया फिर पूरी तैयारी के साथ ऑपरेशन सिन्दूर लांच हुआ, जिसके अंतर्गत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर तथा पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकाने नष्ट किये गए जिनमें सौ से अधिक आतंकवादी मारे गए। भारत ने पाकिस्तान के किसी सैन्य ठिकाने या नागरिक क्षेत्र को निशाना नहीं बनाया और स्पष्ट किया कि उसकी कार्यवाई केवल आतंक के विरुद्ध है किन्तु पाकिस्तानी सेना फिर भी बीच में कूद पड़ी और भारत के सैन्य तथा नागरिक क्षेत्र को निशाना बनाकर हमले किए। भारत के पलटवार के बाद पाकिस्तान में तबाही का मंजर देखा गया और फिर अचानक सीज़ फायर हो गया। इसके पश्चात प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि यह युद्ध विराम नहीं मात्र स्थगन है, ऑपरेशन सिन्दूर जारी है। वर्तमान में भारत के सर्वदलीय सांसद समूह विश्व के अलग अलग देशों में भारत का पक्ष रखने पहुंचे हुए हैं। विगत एक माह के इस समस्त घटनाक्रम के दौरान कांग्रेस पार्टी व इंडी गठबंधन के नेता यह बयान तो देते रहे कि वे आतंकवाद के खिलाफ सरकार जो भी रणनीति अपनाएगी उसके साथ पूरी तरह से एकजुट होकर खड़े रहेंगे किन्तु उनकी करनी उनकी इस कथनी के एकदम विपरीत है। ऑपरेशन सिन्दूर लांच होने से पूर्व, सीज फायर की घोषणा और फिर संसदीय दलों की सूची बनने तक राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडी गठबंधन के नेता जिस प्रकार की बयानबाजी, प्रदर्शन और सोशल मीडिया पोस्ट कर रहे हैं कर रहे हैं उससे यह स्पष्ट हो गया है कि वास्तव में इन दलों द्वारा आपदकाल में एकजुट रहने की बात करना एक कोरा दिखावा मात्र है।

कांग्रेस ने सबसे पहले प्रधानमंत्री मोदी की बिना सिर की तस्वीर सोशल मीडिया पर जारी की और उसके ऊपर गायब लिखा, सोशल मीडिया पर हुए भारी विरोध के बाद भी कांग्रेस की सोशल मीडिया प्रकोष्ठ की हेड उसका बचाव करती रहीं लेकिन बाद में मजबूरन उनको वह पोस्ट हटाना पड़ा। इसके बाद कांग्रेस के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष ने राफेल का उपहास उड़ाया। कुछ विरोधियों ने तो दो कदम आगे बढ़कर इसे चुनावी स्टंट तक बता दिया। ये लोग लगातार प्रधानमंत्री के मीम सोशल मीडिया पर डालते रहे।

विमर्श बदलने और अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए इन्होने पहलगाम की घटना को हल्का करने और इस सत्य पर चूना पोतने का प्रयास किया कि आतंकवादियों ने धर्म पूछकर केवल हिन्दू पुरुषों को मारा। मीडिया बहसों के दौरान किसी भी विरोधी दल के प्रवक्ता ने यह नहीं कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछकर मारा है अपितु वह सभी लोग यही कहते रहे कि आतंकवादियों ने कुछ निर्दोष लोगों को मार दिया। साथ ही मुस्लिम परस्त विरोधी दलों के नेता लगातार ये कहने लगे कि किसी एक के आतंकवादी होने से पूरी कौम को आतंकी नहीं कह सकते जबकि उस समय यह विषय ही चर्चा करने का नहीं था।

ऑपरेशन सिंदूर स्थगन के बाद से राहुल गांधी व इंडी गठबंधन के नेता व प्रवक्ता सरकार के विरोध की लक्ष्मण रेखा लांघ कर उसे राष्ट्र विरोध में बदल रहे है। राहुल गांधी, इंडी गठबंधन व उनके प्रवक्ता मीडिया के सामने जो प्रश्न कर रहे हैं वो पाकिस्तान व आतंकवादियों के लिए कवर फायर देने वाले हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व उत्तर प्रदेश के स्वामी प्रसाद मौर्य जैसे लोगों को ऑपरेशन सिंदूर एक छुटपुट घटना लग रही है। इन लोगों के अनुसार यह ऑपरेशन 24 घंटे में ही फुस्स हो गया। कांगेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का पाकिस्तान प्रेम तो अद्भुत ही उनका कहना है कि "अपने पाकिस्तान" से युद्ध चल रहा है। राहुल गांधी व इंडी गठबंधन ने आज तक ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा नहीं की है अपितु वह पूछ रहे हैं कि इस ऑपरेशन में हमने कितने पायलट खो दिये हैं, हमारे कितने विमान नष्ट हुए। कांग्रेस प्रवक्ता दो हाथ आगे जाकर ऑपरेशन सिंदूर को सौदा बता रहे हैं। विपक्ष उसी तरह से बौखलाया दिख रहा है जिस तरह से पाकिस्तान।

अब जबकि अभी ऑपरेशन सिंदूर का एक छोटा सा चक्र ही पूरा हुआ है राहुल गांधी और अन्य विपक्ष विदेश मंत्री के बयान को तोड़ मरोड़ कर उनके पीछे पड़ गया है और उनके इस्तीफे की मांग कर रहा हैं, सुनियोजित तरीके से सीजफायर के मामले पर अमेरिकी दबाव के आगे झुकने का झूठ फैला रहा है। जब अमेरिका ने पाकिस्तान में ओसामा बिन लादेन के ठिकाने पर हमला किया था तब अमेरिका ने भी पाकिस्तान को पूर्व में ही सूचित कर दिया था यह एक अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का अहम हिस्सा है और भारत ने भी उसी नियम का पालन किया है किंतु पता नही क्यों राहुल गांधी को इस पर भी राजनीति करनी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर विदेश मामलों के विशेषज्ञ हैं, कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता उनको "मुखबिर" कह रहे हैं।

राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी उरी से लेकर पुलवामा और पहलगाम तक हर घटना पर संदेह व्यक्त किया है और कभी भी पाकिस्तान व आतंकवाद के खिलाफ नहीं बोली। इतना ही नहीं इन्होने पुलवामा के बाद हुई एयर स्ट्राइक का सबूत भी माँगा। वर्तमान कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से अर्बन नक्सलियों के शिकंजे में जा चुकी है। आज वो लोग सरकार व सेना पर सवाल उठा रहे हैं जिनकी मुस्लिम तुष्टिकरण नीति के कारण आज आतंकवाद व आतंकवादी नासूर बन गये हैं। वो लोग सवाल उठा रहे हैं जिनके रहते कश्मीर घाटी में हिन्दुओं के साथ 1980- 90 के दशकों में खून की होली खेली गई और कश्मीर घाटी हिन्दुओं से विहीन कर दी गई। इन सभी दलों को 2004से 2014 तक का काला दौर याद रखना चाहिए जब देश का कोई भी कोना आतंकवादी हमलों से नहीं बच पा रहा था किंतु आज स्थित एकदम उलट गई है। कांग्रेस के मूर्धन्य लोगों को यह बताना ही होगा कि इन लोगों ने मुंबई बम धमाकों के बाद क्या किया था?

राहुल गांधी की बयानबाजी से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि वह पाकिस्तान और चीन के लिए जासूसी कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर से घायल पाकिस्तान ये जानना चाहता है कि ऑपरेशन सिंदूर से हमें तो नुकसान हुआ किंतु क्या भारत को भी नुकसान हुआ यदि हाँ तो कितना? अब राहुल गाँधी इसी काम में लगे हैं। यदि राहुल गांधी को सेना पर भी विश्वास होता तो इन्होने डीजीएमओ की प्रेस वार्ताएं सुनी होतीं जिनमें भारतीय पक्ष को विस्तार से समझाया गया था किन्तु निजी स्वार्थ की राजनीति सेकरने वाले इन लोगों को मुस्लिम वोट बैंक के आगे कुछ और दिखाई नहीं देता। राहुल गांधी भारत में विपक्ष के नेता हैं और वह जो भी बोलते हैं उसे पाकिस्तान में अवश्य सुना जाता है।

राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी इनती विचार शून्य हो चुकी है कि इसने भारत सरकार का पक्ष उचित रूप से रखने पर अपने ही नेता शशि थरूर का अपमान करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। केंद्र सरकार द्वारा उन्हें सर्वदलीय प्रतिनिधमंडल में शामिल किये जाने पर कांग्रेस ने अपने योग्य, विदेश मामलों के जानकार तथा अनुभवी सांसद को लेकर ही बवाल मचा दिया। इस पूरे घटनाक्रम से यह बात स्पष्ट हो गई है जल्दी ही कांग्रेस दो भागों में विभाजित दिखाई देगी जिसमें जिसमे एक गुट देशहित में सोचने वाले नेताओं का होगा और दूसरा डीप स्टेट समर्थित राहुल गाँधी परिवार का।

15 साल पुराने विवाद में बहा खून, फावड़े से वार कर बाप-बेटे की हत्या

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद के एक गांव के पूर्व प्रधान और उनके बेटे को कुछ लोगों ने दिन दहाड़े मार डाला। दोनों पिता-पुत्र की हत्या फावड़े से वार कर की गई। मृतक युवक की तीन महीने पहले फरवरी में ही शादी हुई थी। बताया जा रहा है कि जिस वक्त पूर्व प्रधान और उनके बेटे की हत्या की गई। उस दौरान गांव के लोग खड़े होकर देखते रहे। लेकिन किसी ने उन्हें बचाने की हिम्मत नहीं जुटाई।

दरअसल, ये मामला फिरोजाबाद के थाना नगला सिंघी के गांव टीकरी से सामने आया है। यहां के पूर्व प्रधान और उनके बेटे का गांव के ही कुछ लोगों से जमीनी विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते उनकी हत्या की गई। हत्या करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। हत्या की जानकारी

मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जमीनी विवाद के चलते हत्या

मृतक पूर्व प्रधान इसरो के सीनियर वैज्ञानिक धर्मेंद्र यादव के चाचा 55 वर्षीय अरविंद यादव थे, जिनका उनके ही गांव के रहने वाले हुब्बलाल यादव से जमीनी विवाद चल रहा था। इनका मामला कोर्ट में भी चल रहा था। 20 मई को जिस जमीन पर विवाद चल रहा था। उसकी तहसीलदार राखी शर्मा ने एसडीएम अनुराधा सिंह के आदेश पर नापतौल भी की थी।

फावड़े से किया गया हमला

इसी बीच रविवार को अरविंद यादव अपने 27 वर्षीय बेटे नितिन यादव के साथ खेत जुतवाने के लिए गए थे। जहां हब्बुलाल यादव भी पहुंच गए। उनके साथ और भी लोग आए थे। उन्होंने पहले खेत जोतने का विरोध किया और फिर अरविंद यादव और उनके बेटे पर फावड़े से हमला कर दिया। फावड़े से उनके सिर और गर्दन पर हमला किया गया, जिससे दोनों पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से भाग गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

14 बीघा जमीन के लिए हत्या

जिस जमीन को लेकर विवाद है। वह जमीन अरविंद यादव ने 15 साल पहले टीकरी के रहने वाले साहब सिंह यादव से खरीदी थी। उन्होंने अपने दो बेटों से परेशान होकर ये 14 बीघा जमीन बेच दी थी। साहब सिंह यादव जमीन बेचने के बाद अपने दो बेटों जितेंद्र यादव और नरेंद्र यादव को अपने साथ ले गए थे और गांव छोड़कर चले गए थे। वहीं हुब्बलाल यादव और देवेंद्र यादव को वह गांव में ही छोड़कर चले गए थे, जिनके साथ अरविंद यादव का विवाद चला।

सालों तक नहीं करने दिया कब्जा

इसके बाद से हुब्बलाल यादव और देवेंद्र यादव जमीन को लेकर पूर्व प्रधान अरविंद यादव से रंजिश रखने लगे। सालों तक जमीन खरीदने के बावजूद हुब्बलाल यादव और देवेंद्र यादव ने अरविंद यादव को जमीन पर कब्जा नहीं करने दिया। जब कानूनी तौर पर अरविंद यादव ने इसे हासिल कर ली। तब भी दोनों उन्हें खेत नहीं जोतने दे रहे थे। इसी बीच उन्होंने रविवार को अरविंद यादव और उनके बेटे की हत्या कर दी।

पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

अरविंद यादव ने हुब्बलाल यादव और देवेंद्र यादव की वजह से टीकरी से हटकर टूंडला में घर बनाया था और झगड़े से बचने के लिए वहीं रहते हैं। रविवार शाम को ही वह खेत जोतने के लिए टीकरी आए थे। तभी हुब्बलाल ने भोला, विपिन, रवि, मनीष, सनी और बाकी लोगों के साथ मिलकर उन्हें मार डाला। अब पूरे गांव में पुलिस बल को तैनात किया गया है और पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। गांव में पिता-पुत्र की हत्या करते हुए कई लोगों ने देखी। लेकिन आरोपियों का गांव वालों के मन में ऐसा खौफ है कि कोई भी उनके खिलाफ बयान देने के लिए तैयार नहीं है। हत्या के वक्त भी किसी ने उन्हें बचाने की कोशिश नहीं की। नितिन यादव की तीन महीने पहले ही शादी हुई थी। उनकी मौत के बाद उनके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

समर कैम्प से बच्चों का बढ़ रहा हौसला

आर्यावर्त संवाददाता

बहेड़ी-बरेली। ब्लाक दमखोदा के कंपोजिट विद्यालय अभयपुर में गर्मियों की छुट्टियों में समर कैम्प का आयोजन किया गया समर कैंप में बच्चे बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे समर कैम्प का उद्देश्य बच्चों को गर्मियों की छुट्टियों में नए कौशल सीखने और मित्रता बढ़ाने का अवसर प्रदान करना है। इसमें प्रतिदिन समय सारणी के अनुसार योग, जीरो इन्वेस्टमेंट से रंगोली , पर्यायवरण ,जीवन कौशल से जुडी चीजे , संगीत आदि गतिविधियाँ कराई जा रही है । साथ ही बच्चों को रिफ्रेशमेंट भी दिया जा रहा है विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक विनोद कुमार वर्मा के निर्देशन में चलाया जा रहे समर कैंप में विभिन्न गतिविधियों में जैसे खेल,योगा, कला और नृत्य छात्रों ने इन गतिविधियों में भाग लेकर अपने कौशल को विकसित करने का अवसर प्राप्त कर रहे हैं विद्यालय की यह पहल छात्रों को गर्मियों की छुट्टियों में व्यस्त और सक्रिय रखने के लिए की गई है। समर कैंप के माध्यम से छात्रों को नए कौशल सीखने और मित्रता बढ़ाने का अवसर मिलेगा।

विद्यालय के प्रधानाचार्य अध्यापक विनोद कुमार वर्मा ने छात्रों से अपील करते हुए कहा कि समर कैम्प का भरपूर आनंद लें, और नए कौशल सीखने के साथ-साथ मित्रता भी बढ़ायें।

अफसरों पर मधुमक्खियों का हमला, एडीएम और सीडीओ को मारे कई डंक हालत गंभीर

आर्यावर्त संवाददाता

ललितपुर। उत्तर प्रदेश के ललितपुर के मशहूर पर्यटन स्थल देवगढ़ बौद्ध गुफा में अफसर जल जीवन मिशन के तहत परियोजनाओं का निरीक्षण करने पहुंचे थे। वो बौद्ध गुफा के पास पहुंचे तो अचानक जंगली मधुमक्खियों ने उन पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के इस हमले में एडीएम (नमामि गंगे) राजेश श्रीवास्तव और सीडीओ कमलाकांत पांडेय गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं।

एडीएम राजेश श्रीवास्तव को मधुमक्खियों के 500 डंक लगे हैं। सीडीओ कमलाकांत पांडेय ने अपनी जान बचाने के लिए अपना मुंह मिट्टी में दबा लिया। कई अन्य अधिकारी भी मधुमक्खियों के इस हमले में जख्मी हुए हैं। दरअसल, रेशम विकास और युवा कल्याण विभाग के विशेष सचिव सुनील वर्मा ललितपुर जिले के नोडल अधिकारी के रूप में यहां जल जीवन मिशन और हर घर जल योजना के तहत 50 करोड़ की लागत वाली परियोजना का निरीक्षण करने पहुंचे थे।

जाने बचाने के लिए इधर-उधर भागे अधिकारी

सुनील वर्मा के साथ सीडीओ, एडीएम, नायब तहसीलदार, लेखपाल और अन्य सरकारी अधिकारी भी थे। सुनील वर्मा ने अधिकारियों के साथ देवगढ़ और उसके आसपास के ग्रामीण इलाकों का दौरा किया। निरिक्षण के बाद अधिकारी देवगढ़ की ऐतिहासिक बौद्ध गुफाओं को देखने लिए गए। जैसे ही सारे अधिकारी बौद्ध गुफा के पास पहुंचे, मधुमक्खियों ने उन पर हमला कर दिया। इसके बाद अधिकारी अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

गांव वाले मदद को पहुंचे

कुछ अधिकारी जमीन पर लेट गए। कुछ मधुमक्खियों से बचने के लिए पेड़ों के पीछे जाकर छिप गए। अधिकारियों की चीख-पुकार गांव वालों ने सुनी तो वो मौके पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को कंबल उढ़ाकर उनको बचाया और फिर गांव वालों ने अधिकारियों को वहां से सुरक्षित बाहर निकाला। मौके पर पहुंची एम्बुलेंस ने सभी घायलों को जिला मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। सीडीओ लगभग आधे घंटे वहीं जमीन में पड़े रहे। बाद में गांव वालों ने उनको बचाया।

सीडीओ कमलाकांत पांडेय और एडीएम राजेश श्रीवास्तव की स्थिति बहुत गंभीर बताई जा रही है। एडीएम राजेश श्रीवास्तव को जिला मेडिकल कॉलेज से झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

एक सप्ताह पूर्व नाबालिग से हुई थी छेड़छाड़, पुलिस की पकड से दूर है आरोपी

धौरहरा-खीरी। धौरहरा सर्किल के थाना क्षेत्र ईसानगर के एक गांव में एक सप्ताह पूर्व नाबालिग लडकी से हुई छेड़छाड़ की घटना के मामले में पुलिस ने किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की है।तब से वादिनी लगातार इधर उधर भटक रही है। नाबालिग किशोरी द्वारा ईसानगर पुलिस को 23.5.25 में दी गई तहरीर में बताया कि थाना क्षेत्र के ग्राम फिरोजाबाद में बीती दिनांक 18.5.25 की रात सोते समय लगभग रात 11 बजे मेरे घर के अंदर घुसकर गांव निवासी रामू पुत्र महावीर निवासी फिरोजाबाद ने कपड़ों के अंदर हाथ डालकर नाजुक अंगों से छेड़खानी करने लगा व चीखने चिल्लाने का प्रयास किया तो उपरोक्त द्वारा मुंह दबाकर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकला था। इस मामले में सोमवार को जानकारी देते हुए ईसानगर थाना प्रभारी देवेन्द्र गंगवार ने बताया कि मामले की जांच चल रही है टीम आरोपी को पकड़ने भेजी गई है।

जेसीबी के नीचे दबा था शव, लखनऊ में ऑपरेटर की हत्या से मचा हड़कंप

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक हत्या का मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। ये घटना लखनऊ के काकोरी क्षेत्र के सकरा कोथाहा गांव स्थित घुरघुरी तालाब की है। मृतक की पहचान राज कश्यप के रूप में हुई है। राज कश्यप काकोरी के सुब्रत नगर का निवासी बताया जा रहा है। मृतक एक जेसीबी ऑपरेटर था। मृतक का शव जेसीबी के नीचे दबा मिला। फिलहाल पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि काकोरी क्षेत्र के सकरा कोथाहा गांव स्थित घुरघुरी तालाब पर मछली पालन के लिए खुदाई की जा रही थी। यहां जेसीबी मशीन चलाई जा रही थी। इसी दैरान जेसीबी के नीचे एक युवक का शव

दबा मिला। जेसीबी के नीचे युवक का शव मिलने से मौके पर सनसनी फैल गई। इसके बाद पुलिस को शव मिलने की जानकारी दी गई। जानकारी मिलने के बाद पुलिस तालाब पर पहुंची। उसके बाद खुदाई कराई गई।

योजना बनाकर की गई हत्या

खुदाई के बाद शव निकाला गया तो उसकी पहचान राजेश कश्यप के रूप में की गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस सनसनीखेज घटना से पहले तालाब पर काम करने वालों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। राज की हत्या इसी झगड़े के बाद जेसीबी मशीन के नीचे दबाकर की गई। ऐसा माना जा रहा है। ये हत्या योजना बनाकर की गई हत्या लग रही है।

बहरहाल पुलिस ने मृतक राज के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। साथ ही इस हत्याकांड की जांच शुरू कर दी है। पुलिस फिलहाल आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि वो जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करके इस पूरे हत्याकांड का खुलासा करेगी।

बिना बताए गाँव निवासी युवक के साथ गई थी पत्नी

धौरहरा-खीरी। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मेरी पत्नी बिना बताए कही चली गई थी जिसको गांव निवासी एक युवक अपने साथ ले जाकर शादी करने व नाजायज संबंधो का दबाव बनाने का मामला प्रकाश में आया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करते हुए जांच तेज कर दी। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अकठी निवासी बीरबल ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा कि मेरी शादी लगभग 7 वर्ष पूर्व मोहिनी के साथ हुई थी मै अपने परिवार के साथ सुखी जीवन जी रहा था कि दिनांक 17.5.25 को मेरी पत्नी गांव निवासी सरोज यादव पुत्र बाबूराम के साथ बिना बताए नगदी व जेवरात लेकर चली गई थी इधर उधर तलाश जारी थी कि मेरी पत्नी ने घर आकर बताया कि मुझे गांव निवासी सरोज शादी करने के उद्देश्य से बल पूर्वक भगा ले गया था।और मेरी पत्नी के साथ शारीरिक संबंध बनाने के उद्देश्य से जिला न्यायालय जाकर कुछ पेपरो पर दस्तखत भी करा लिएं थे।

हिंदू युवक विष्णु से मुस्लिम लड़की रीफा ने की शादी, अब मिल रही जान से मारने की धमकी, प्रशासन से लगाई मदद की गुहार

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। यूपी के बरेली के सुभाष नगर थाना क्षेत्र के करेली इलाके की रहने वाली 20 वर्षीय युवती रीफा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल कर सनसनी फैला दी है। वीडियो में रीफा ने बताया कि उसने अपने पड़ोसी विष्णु से प्रेम विवाह कर लिया है। विष्णु हिंदू है और रीफा मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखती है। दोनों ने आपसी रजामंदी से शादी की है, लेकिन शादी के बाद अब रीफा को अपने और अपने पति की जान का खतरा महसूस हो रहा है।

रीफा का आरोप है कि शादी के बाद उसके परिवार वाले काफी नाराज़ हैं। वो लगातार उसे और उसके पति विष्णु को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। वीडियो में उसने साफ कहा है कि अगर भविष्य में उसे या विष्णु को कुछ होता है, तो इसके लिए उसके घरवाले जिम्मेदार होंगे। उसने यह भी कहा कि वह अब बालिग है। उसने

अपनी मर्जी से शादी की है। किसी ने उसे मजबूर नहीं किया।

प्रशासन से लगाई सुरक्षा की गुहार

वीडियो में रीफा ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाते हुए कहा कि उसे और उसके पति को सुरक्षा दी जाए। ताकि वो दोनों अपनी जिंदगी चैन से जी सकें। उसने यह भी कहा कि वह किसी भी हालत में अपने पति के साथ रहना चाहती है और अपने फैसले से खुश है। फिलहाल बरेली पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो की सत्यता की जांच की जा रही है।साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि शादी कानून के मुताबिक हुई है या नहीं।

स्थानीय लोगों में चर्चा का विषय बना मामला

पुलिस ने युवती के परिवार वालों से भी बात करने की बात कही है, ताकि दोनों पक्षों की बात सामने आ सके। यह मामला अब इलाके में चर्चा का विषय बन गया है। कुछ लोग जहां युवती के साहस की सराहना कर रहे हैं, वहीं कुछ इसे सामाजिक परंपराओं के खिलाफ मान रहे हैं, लेकिन कानूनी तौर पर युवती बालिग है और उसने अपनी मर्जी से विवाह किया है, इसलिए कानून उसके साथ है।

रीफा और विष्णु की यह प्रेम कहानी अब एक कानूनी और सामाजिक मुद्दा बन चुकी है। देखने वाली बात होगी कि प्रशासन इस मामले में युवती की सुरक्षा को लेकर क्या कदम उठाता है और क्या रीफा और विष्णु अपनी नई जिंदगी को सुकून से जी पाएंगे।

परिवार कल्याण महानिदेशालय को बम से उड़ाने की मिली धमकी, कार्यालय कराया गया खाली ; जांच जारी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार को वजीरगंज स्थित परिवार कल्याण महानिदेशालय को मेल के जरिये बम से उड़ाने की धमकी दी गई। जानकारी मिलते ही अधिकारी व कर्मचारी दफ्तर से बाहर निकल आए। सूचना पर पहुंची पुलिस और बम स्क्वायड टीम जांच में जुट गई है। परिवार कल्याण महानिदेशालय का कार्यालय जगत नारायण रोड पर स्थित है। दोपहर करीब 1:30 बजे डीजी को एक मेल आया। मेल में कार्यालय को बम से उड़ाने की बात लिखी थी। इससे वहां अफरा-तफरी मच गई। डीजी ने कार्यालय में मौजूद लोगों को बाहर निकलने के निर्देश दिए।

बम स्क्वाड टीम कार्यालय परिसर की जांच में जुटी

निर्देश मिलते ही सभी लोग आनन-फानन बाहर निकल गए। मामले की जानकारी वजीरगंज पुलिस को दी गई। इंस्पेक्टर राजेश त्रिपाठी पुलिस टीम के साथ कार्यालय पहुंचे। पुलिस ने बम स्क्वायड टीम को भी बुलाया। इंस्पेक्टर ने बताया कि बम स्क्वाड टीम पूरे कार्यालय परिसर की जांच कर रही है।

62 रिंग रोड, बाईपास और फ्लाईओवर... 6124 करोड़ से यूपी में खत्म होगी जाम की समस्या

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ट्रेफिक जाम की समस्या दूर करने के लिए रिंग रोड, बाईपास और पलाईओवर का निर्माण जारी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अब लोक निर्माण विभाग ने विस्तृत खाका तैयार किया है। इसके जरिये वित्त वर्ष 2025- 26 में बड़े पैमाने पर रोड रोड़ कनेक्टिविटी को बढ़ाया जाएगा। योजना के तहत कुल 62 परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार की जा रही है, जिससे प्रदेश के यातायात में अप्रत्याशित सुधार आएगा।

लोक निर्माण विभाग द्वरा तैयार कार्ययोजना के अनुसार, प्रदेश में बाईपास, रिंग रोड और फ्लाईओवर निर्माण के कुल 62 कार्य वित्तीय वर्ष 2025-26 में चिहिनत किए गए हैं। इनमें 6,124 करोड़ रुपये खर्च होंगे। लोगों को ट्रैफिक जाम से राहत देने

के लिए यह काम प्रथमिकता के आधार पर किए जाएंगे, जिनमें आबादी और यातायात आवागमन जैसे कई मानकों को आधार बनाया जाएगा।

इस आधार पर किया जाएगा काम

कार्योजना के अनुसार, सरकार का यह कदम न केवल उत्तम कनेक्टिविटी तैयार करेगा, बल्कि यातायात प्रबंधन में भी सहायक होगा। जिन 62 बाईपास, रिंग रोड्स और फ्लाईओवर का निर्माण कार्य किया जाना है, उनमें एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर पालिकाओं और नगर परिषदों की प्रथमिकता दी जाएगी। हालंकि जहां से राष्ट्रीय राजमार्ग गुजर रहे हैं, ऐसी नगर पालिकाओं और परिषदों को शामिल नहीं किया जाएगा। इन क्षेत्रों मे रिंग रोड, बाईंपास और फ्लाईओवर का निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण कराएगा।

अर्थव्यवस्था को मिलेगा बल

रिंग रोड, बाईंपास और फ्लाईओवर बनने के बाद लोगों की यात्रा सुगम होगी। साथ ही प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। बता दें कि सीएम योगी आदित्यनाथ की सरकार का उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाना मकसद है। इसके लिए आवश्यक है कि प्रदेश के सड़क परिवहन ढांचे को आधुनिक और सुदृढ़ बनाया जाए। राज्य में एक्सप्रेसवे और हाईवे का विस्तार तेजी हो रहा है। वहीं रिंग रोड और फ्लाईओवर बनाने से राज्य में ट्रैफिक प्रबंधन में भी सुधरेगा।

आबादी की गाटा में मौजूद तालाब का वजूद शनै-शनै हो रहा समाप्त

धौरहरा-खीरी। तहसील क्षेत्र ग्राम पंचायत गुदरिया में तीन दिनों से खुलेआम कुछ लोगों द्वारा गांव के बीचों- बीच बने पुराने तालाब का मिटटी पटान खुलेआम जारी है। फिर भी जिम्मेदार अधिकारी कानों को बंद करके सबकुछ जानकर अनजान बने हुए दिख रहे हैं।

क्षेत्र के ग्राम पंचायत गुदरिया गांव के बीचों बीच बहुत पुराना प्राचीन तालाब की मौजूदगी के चलते ग्रामीणों के घरों का पानी व बरसात का पानी आता था।जिस पर पिछले तीन दिनों से खुलेआम क्षेत्र के कुछ दबंगों द्वारा अवैध तरीके से मिट्टी पटान चालू कर तालाब के अस्तित्व को मिटाने पर आमादा है।

इस मामले में जानकारी देते हुए लेखपाल सचिन मौर्या ने बताया कि आबादी की भूमि पर गाटा संख्या 1374 का बडा भू भाग है उसी में तालाब है।

जयमाल हुआ, फेरे हुए ; विदाई के वक्त पता चला कि दुल्हन तो....आधे घंटे में ही टूट गई शादी

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक अजीब घटना हुई है। यहां बड़े धूमधाम से एक युवती की शादी हुई। जयमाल हुआ, पंडित जी मंत्र पढ़कर फेरे कराए और वर-वधू को कुशल दांपत्य जीवन का आर्शिवाद दिया। इसके बाद जैसे ही विदाई का वक्त आया, दुल्हन जोर-जोर से रोने लगी। उसका रोना सुनकर दूल्हा और उसके परिवार के लोग ना केवल हैरान रह गए, बल्कि धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए शादी ही तोड़ दी। दरअसल दुल्हन तोतली थी।

घटना प्रयागराज के मऊआइमा की है। जानकारी के मुताबिक मऊआइमा के एक गांव में रहने वाली लड़की की शादी कौशांबी जिले में रहने वाले युवक के साथ तय हुई थी। इस शादी को लेकर दोनों ही परिवारों में जश्न का माहौल था। बड़े धूमधाम के साथ दूल्हा बारात लेकर आया। वहीं लड़की पक्ष के लोगों ने बड़ी

गर्मजोशी के साथ बारात का स्वागत किया और खातिरदारी की। इसके बाद पूरे शान-ओ-शौकत के साथ जयमाल हुआ और फेरे हुए।

दुल्हन रोई तो सामने आया तोतलापन

इतने में रात गुजर गई और रविवार की सुबह विदाई का वक्त आया तो दुल्हन दहाड़े मारकर रोने लगी। उस समय दूल्हा और उसके परिजनों को पता चला कि दुलहन तोतली है। उसकी तोतली आवाज को सुनकर दूल्हा और उसके परिवार के लोग विदक गए। तत्काल अगुवा को बुलाकर कहा कि उनके साथ धोखा हुआ है। वह इस शादी को नहीं मानेंगे। इसके बाद दोनों पक्षों में विवाद बढ़ा और मामला पंचायत तक पहुंचा।

सहमति से टूट गया रिश्ता

उसी समय दोनों पक्ष के गणमान्य लोगों ने बैठकर इस मुद्दे पर विचार किया। पंचायत में दोनों पक्षों के बीच लंबी बातचीत हुई और आखिर में फैसला हुआ कि इस शादी के बाद भी दुल्हन ससुराल में सुख नहीं कर पाएगी। उसका तोतलपन उसके वैवाहिक जीवन में हमेशा बाधा बनेगा। ऐसे में इस शादी को यहीं पर खत्म कर दिया जाए। फिर दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से एक दूसरे का सामान वापस किया और बिना दुल्हन के ही बारात विदा हो गई।

बच्चे को दूध में डालकर देते हैं चीनी? एक्सपर्ट ने गिनाए नुकसान

बच्चों की मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत बनाने और उनके शारीरिक मानसिक विकास के लिए डेली रूटीन में दूध शामिल करने की सलाह दी जाती है, लेकिन ज्यादातर लोग ये कॉमन मिस्टेक करते हैं कि अपने बच्चे को दूध में चीनी डालकर देते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि इससे कितना नुकसान हो सकता है।

बच्चों से बड़ों तक के लिए दूध पोषण का खजाना माना जाता है। दूध में कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन डी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं, इसके अलावा दूध में विटामिन बी12, मैग्नीशियम, पोटेशियम, आदि पोषक तत्व भी होते हैं। बच्चों का पहला आहार मां का दूध दिया जाता है और धीरे-धीरे इसे गाय के दूध में बदल दिया जाता है, क्योंकि बच्चे के सही शारीरिक और मानसिक विकास के लिए न्यूट्रिएंट्स बहुत जरूरी होते हैं। दूध बच्चे की हड्डियों, दांतों, और मांसपेशियों, को दुरुस्त रखने, हाइट बढ़ाने आदि में सहायक रहता है, लेकिन ज्यादातर लोग बच्चे को दूध में शक्कर मिलाकर देते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि इससे कितना नुकसान हो सकता है।

चीनी का सेवन बड़ों को भी कम मात्रा में करने की सलाह दी जाती है, लेकिन बच्चों को लोग बिना सोचे-समझे दूध में चीनी डालकर रेगुलर देते रहते हैं और छोटे शिशु तो दिनभर में कई बार दूध पीते हैं, जिससे उनके शरीर में नुकसान और भी ज्यादा होने की संभावना रहती है। इसे बारे में हमने बात की आयुर्वेद और नेचरोपैथी विशेषज्ञ डॉक्टर किरण गुप्ता से। जानते हैं कि उनका इस बारे में क्या कहना है।

दूध में चीनी डालकर देने से नहीं मिलता है पोषण

एक्सपर्ट किरण गुप्ता कहती हैं कि बच्चे को दूध दिया जाता है ताकि उसकी ताकत बढ़े और वह हेल्दी रहे, क्योंकि दूध प्रोटीन और कैल्शियम का बेहतरीन सोर्स माना जाता है, लेकिन जब दूध में चीनी मिला दी जाती है तो उसके रिएक्शन से बॉडी को पूरा प्रोटीन और कैल्शियम नहीं मिल पाता है। इसके अलावा पेट में वॉर्म्स पनप सकते हैं, जिससे बच्चे का डाइजेशन बिगड़ सकता है और उसे बार-बार लूज मोशन हो सकता है।

बच्चे के मूड में हो सकते हैं बदलाव

दूध में चीनी डालकर देने से बच्चे के शारीरिक स्वास्थ पर तो प्रभाव पड़ता ही है, इसके अलावा रोजाना दूध में शुगर देने से एक वक्त के बाद बच्चे में हाइपर एक्टिविटी जैसे चिड़चिड़ापन, रोना जैसी दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

पेट में वॉर्म्स पनप सकते हैं

बच्चों के पेट में अक्सर वॉर्म्स पनपने यानी कीड़े होने की शिकायत देखी जाती है। दरअसल इसके पीछे की वजह गंदे हाथ मुंह में लेना, प्रदूषित पानी आदि होने के अलावा चीनी भी हो सकती है। बच्चे को रोजाना चीनी देने से वॉर्म्स पनप सकते हैं और इस वजह से गुदा में रैशेज भी हो जाते हैं और बच्चे काफी परेशान हो जाते हैं। डॉक्टर किरण गुप्ता कहती हैं कि बच्चे को आर्टिफिशियल चीजें जैसे डिब्बाबंद दूध अन्य बेबी केयर उत्पाद और चीनी आदि नहीं देनी चाहिए और बच्चे को कम से कम दो साल तक चीनी नहीं खिलानी चाहिए और उसे केक, पेस्ट्री आदि चीजों से उसे दूर रखना चाहिए।

बच्चों को ये फूड्स खिलाएं

हेल्दी पोषण देने के लिए बच्चे को नेचुरल चीजें जैसे फल, सब्जियां, अनाज आदि पकाकर देना फायदेमंद रहता है। जैसे गेहूं को भिगोकर उसके स्प्राउटस बना लें और इसे सुखाकर हल्का भूनकर पीस लें। जब आप बच्चे के लिए दाल, सूजी आदि की कोई चीज बना कर दे रहे हैं तो ये पाउडर भी इसमें मिलाकर दें इससे बच्चे को ज्यादा पोषण मिलता है।

रुपये-पैसे नहीं, एक महिला अपने पार्टनर से सबसे पहले चाहती है ये 5 चीजें

पति-पत्नी का रिश्ता हो या फिर लव लाइफ दोनों ही ही प्यार के अलावा भी लॉन्ग टर्म रिलेशनशिप के लिए कई और चीजें भी जरूरी होती हैं। फिलहाल आजकल काफी देखने में आता है...महिलाओं को लेकर लोगों की सोच रहती है कि एक महिला को लग्जरी लाइफ देकर खुश रखा जा सकता है, लेकिन चीजें असल में इसके उलट होती हैं। एक महिला को अपने लव पार्टनर या हस्बैंड से पैसे नहीं बल्कि वह अपने पार्टनर से कई और उम्मीदें करती है और अगर जो पुरुष इन चीजों को बेहतर तरीके से समझ लेता है तो उसका रिश्ता लंबे समय तक मजबूत बना रहता है।

रिलेशनशिप को चलाने के लिए एक-दूसरे के लिए मन में फीलिंग्स होना ही काफी नहीं होता है, बल्कि रिश्ते को लॉन्ग टर्म तक ले जाने और हमेशा मजबूत बनाए रखने के लिए कई उतार-चढ़ाव पार करने होते हैं और इस दौरान पार्टनर को एक-दूसरे से जुड़ी कई बातों को जानना समझना होता है। ऐसे में अगर आप किसी से प्यार करते हैं या फिर शादीशुदा हैं तो जान लें कि आपकी लेडी लव को आपसे क्या-क्या उम्मीद हो सकती हैं।

प्यार के बाद सबसे जरूरी चीज

रिश्ते को आगे बढ़ाने और मजबूत बनाए रखने के अलावा सम्मान सबसे जरूरी चीज होती है और हर पत्नी या गर्लफ्रेंड यह उम्मीद करती है कि उसका पार्टनर सम्मान दे। इसमें बहुत छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखना होता है, जैसे अपने बीच की पर्सनल बातें दूसरों के साथ शेयर न करना। दूसरों के सामने अपने पार्टनर से जोर से या गुस्से में बात न करना।

पार्टनर से चाहती हैं इमोशनल सपोर्ट

महिलाएं अपने पार्टनर से इमोशनल सपोर्ट की उम्मीद करती हैं। जैसे दिनभर की बातें, खुशी, गम अपने पार्टनर के साथ शेयर करना। सीधे शब्दों में कहा जाए तो महिलाएं अपने पार्टनर में एक ऐसा दोस्त चाहती हैं जिससे वह अपनी हर बात खुलकर शेयर कर पाएं और वीक टाइम में भी वह उनका सपोर्ट करें।

पार्टनर का चाहती हैं वक्त

लड़कियां अपने पार्टनर का वक्त चाहती हैं, इसका मतलब ये नहीं है कि आप उन्हें महंगी जगहों पर घुमाने लेकर जाएं। वह बस चाहती हैं तो ये कि ऐसा वक्त हो जहां आप और वह साथ में ढेर सारी बातें कर सकें। एक लॉन्ग ड्राइव पर जा सके। एक साथ कहीं गोलगप्पे या आइसक्रीम खाना जैसी छोटी चीजें भी महिलाओं के लिए काफी होती हैं।

जो आगे बढ़ने में करे मदद

पुरुषों की तरह ही ज्यादातर महिलाएं भी वर्किंग हैं और वह उम्मीद करती हैं कि उनका पार्टनर आगे बढ़ने में उनका सपोर्ट करे। अक्सर देखने में आता है कि कई बार लड़कियों को अपने सपने, अपनी जॉब सिर्फ इसलिए छोड़नी होती है कि उनकी शादी हो रही है और पार्टनर को ये नहीं पसंद कि उनकी वाइफ कोई काम करे। अगर आप उन पुरुषों में से हैं जो महिलाओं को आगे बढ़ने में सपोर्ट करते हैं तो आपका रिश्ता बेहतरीन होने वाला है।

घर की जिम्मेदारियों में बंटाए हाथ

एक महिला के लिए घर के कामों से कभी छुट्टी नहीं होती है और अगर वह वर्किंग भी है तब भी घर की जिम्मेदारी उसपर ज्यादा होती है। ऐसे में महिलाएं चाहती हैं कि उनका पार्टनर घर की जिम्मेदारियों में ज्यादा नहीं या बराबर नहीं तो कम से कम थोड़ा हाथ बंटाए।

बारिश के मौसम में चिपचिपा रहा है चेहरा तो इन चीजों का करें इस्तेमाल

सितंबर के महीने में हो रही लगातार बारिश की वजह से अब हर कोई परेशान है। बारिश न सिर्फ जनजीवन को अस्त व्यस्त कर देती है, बल्कि इसका प्रभाव त्वचा पर भी पड़ता है। लगातार हो रही बारिश की वजह से उमस होने लगती है जो कि त्वचा को चिपचिपा बनती है।

कई बार ये चिपचिपापन मुंहासे और कई अन्य परेशानियों का कारण बनता है। इसी वजह से इस चिपचिपेपन को सही समय पर कम करना जरूरी हो जाता है।

वैसे तो इसके लिए तमाम तरह की फेस वॉश आपको मार्केट में मिल जाएंगे लेकिन अगर आप घरेलू नुस्खे पर भरोसा करते हैं तो यहां हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके इस्तेमाल से आप अपनी त्वचा के चिपचिपेपन को दूर कर सकते हैं। इन चीजों के कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है। ऐसे में आपको इन्हें लगाने से पहले सोचना नहीं पड़ेगा।

मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक

मुल्तानी मिट्टी में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा को अंदर तक साफ करते हैं। ये त्वचा से अतिरिक्त तेल को सोख लेती है और रोमछिद्रों को खोलती है। ऐसे में आप गुलाब जल के साथ इसका पैक बनाकर इस्तेमाल कर सकते हैं।

एलोवेरा जेल

ये त्वचा को हाइड्रेट करने का काम करता है और त्वचा के अतिरिक्त तेल को कंट्रोल करता है। इसे आप हर रोज चेहरे पर लगाकर इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

टमाटर का रस

हर घर में टमाटर उपलब्ध ही होता है। ऐसे में आप टमाटर के रस को चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट बाद धो लें। यह चेहरे की चमक बढ़ाने के साथ-साथ ऑयल को भी कम करता है। इससे चेहरे की चिपचिप कम हो जाती है।

खीरे का रस

अगर आपके पास खीरा है तो खीरे का रस निकालकर चेहरे पर लगाएं और कुछ देर बाद पानी से धो लें। इसके भी लगातार इस्तेमाल से चेहरे की चिपचिप कम होती है।

नींबू और शहद का मिश्रण

नींबू का रस त्वचा से अतिरिक्त तेल हटाने में सहायक होता है, जबकि शहद त्वचा को मॉइस्चराइज करता है। इन्हें मिलाकर चेहरे पर 10-15 मिनट के लिए लगाएं और फिर धो लें। इसका असर भी आपको कुछ दिन में दिख जाएगा।

ऑफिस में कुर्सी पर बैठे हुए करें ये एक्सरसाइज, रहेंगे फिट एंड फाइन

आजकल लोग घंटों सीट पर बैठे रहकर स्क्रीन पर काम करते रहते हैं। लेकिन इससे बॉडी पोस्चर, आंखों और मेंटल हेल्थ पर बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में आप ऑफिस में कुर्सी पर बैठे रहकर इन एक्सरसाइज को कर सकते हैं। इसे गर्दन और कंधों में दर्द की परेशानी से दूर रहने में मदद मिल सकती है।

शरीर को फिट और हेल्दी रखने के लिए एक्टिव रखना बेहद जरूर है। लेकिन आजकल ज्यादातर लोग डेस्क जॉब करते हैं, जिसमें वो 8 से 9 घंटे एक ही जगह पर बैठे रहकर काम करते रहते हैं। उन्हें सैर करने के लिए तक समय नहीं मिलता है। लेकिन इससे व्यक्ति की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। इससे मोटापा होना और इसके कारण सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्या का खतरा बढ़ सकता है।

घंटों एक ही जगह पर बैठकर काम करते रहने के कारण व्यक्ति के बॉडी पोस्चर पर भी काफी प्रभाव पड़ता है। लोकघंटोएक ही पोस्चर में बैठे लगातार लैपटॉप या कंप्यूटर पर काम करते रहते हैं। इससे कंधों और कमर में दर्द होने के साथ ही कंधे थोड़े झुकने लगते हैं। कुछ लोगों को इसकी वजह से सर्वाइकल जैसी समस्या भी हो सकती है। जिससे व्यक्ति की पर्सनालिटी पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में थोड़ा टाइम निकालकर आप डेस्क पर बैठे हुए ही कुछ आसान एक्सरसाइज कर सकते हैं। जिससे आपका शरीर एक्टिव रहे साथ ही गर्दन और कमर दर्द जैसी समस्याओं से आप दूर रह सकें।

सीटेड टॉर्सो ट्विस्ट

इस आसन को करने के लिए सीधे बैठें, हाथों को सिर के पीछे रखें और धीरे-धीरे अपने शरीर को दाएं और फिर बाएं मोड़ें। इसे एक्सरसाइज को आप घर में जमीन पर बैठकर या फिर ऑफिस में चेयर पर बैठे-बैठे भी कर सकते हैं।

नेक रोटेशन

घंटों एक जगह बैठे लैपटॉप पर काम करते रहने से गर्दन में दर्द या ऐंठन जैसी महसूस होने लग सकता है। इससे बचने के लिए आप नेक रोटेशन एक्सरसाइज कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले अपनी कुर्सी पर आराम से बैठें और अपना सिर आगे की तरफझुकाएजब तक कि आपकी ठुड्डी

गर्दन के पास टच करें। अब अपने सिर को धीरे-धीरे एक तरफ हाई कंधे की तरफझुकाएऔर 10 सेकंड के लिए इसी स्थिति में रहें। इसके बाद सिर बाई और घुमाएं और 15 सेकंड तक इस स्थिति में रहे। इसे आप 2 से 4 बार दोहरा सकते हैं।

आई एक्सरसाइज

घंटो स्क्रीन पर काम करने से आंखों पर भी गलत प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए समय निकालकर 20-20-20 एक्सरसाइज करें। इसमें 20 मिनट के लिए आंखों को स्क्रीन से दूर रखें। 20 मिनट में रुककर 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर किसी चीज़ पर ध्यान केंद्रित करें।

ब्रीथिंग एक्सरसाइज

काम से कुछ सेकेंड की ब्रेक लें। अपनी आंखें बंद कर लंबी-लंबी सांस लें। इस एक्सरसाइज को करने से मेंटल हेल्थ को सही रहने में मदद मिल मिल सकती है।

शोल्डर श्रग्स

इस एक्सरसाइज को करने के लिए कुर्सी पर सीधा बैठें। अपने कमर, गर्दन, कंधों और कूल्हों को एक सीध में रखें। अब अपने कंधों को जितना हो सके उतना ऊपर की तरफ उठाएं, जैसे कि आप अपने कानों को छूने की कोशिश कर रहे हों। फिर 10 सेकेंड में नॉर्मल पोजीशन में आ जाएं। कंधों को कानों की ओर उठाएं और फिर धीरे-धीरे नीचे लाएं, ये एक्सरसाइज बहुत ही आसान है आप इस 4 से 5 बार आराम से दोहरा सकते हैं।

स्टार्टअप के लिए आईआईटी की डिग्री जरूरी, तमिलनाडु के लड़के ने बताई भेदभाव की दास्तान

ध्रुव अपने स्टार्टअप iCliniq को रफ्तार देने के लिए टेक सिटी बेंगलुरु शिफ्ट हुए। इसके पीछे उनकी मंशा भारत के प्रगतिशील इकोसिस्टम का लाभ उठाने की थी। हालांकि, वहां उन्हें मायूसी ही हाथ लगी।

टेलीमेडिसिन स्टार्टअप iCliniq के सह-संस्थापक और सीईओ ध्रुव सुयमप्रकाशम ने अपने स्टार्टअप को चालू रखने के लिए कई भेदभाव का सामना किया। उन्होंने इस स्टार्टअप की शुरुआत तमिलनाडु के कोयंबटूर शहर से की, जो कि उनका होम टाउन भी है।

ध्रुव के पास ना तो IIT की डिग्री थी और ना ही वो अच्छी हिंदी बोलना जानते थे। बस इसी वजह से उनके स्टार्टअप iCliniq में इंवेस्ट करने से कई लोगों ने मना कर दिया। इस बारे में उन्होंने बिजनेस इनसाइडर को एक इंटरव्यू दिया है। जिसमें उन्होंने अपने बेंगलुरु पहुंचने से लेकर वापस कोयंबटूर आने तक का पूरा ब्यौरा दिया है।

2010 में शिफ्ट हुए थे बेंगलुरु

ध्रुव अपने स्टार्टअप iCliniq को रफ्तार देने के लिए टेक सिटी बेंगलुरु शिफ्ट हुए। इसके पीछे उनकी मंशा भारत के प्रगतिशील इकोसिस्टम का लाभ उठाने की थी। हालांकि, वहां उन्हें महसूस हुआ कि हेल्थकेयर जैसे क्षेत्र में "तेज़ी से बढ़ो या Dतेज़ी से विफल हो जाओ" वाला दृष्टिकोण उपयुक्त नहीं है। निवेशकों की अवास्तविक अपेक्षाओं, जैसे प्रतिदिन 100 सशुल्क परामर्श, ने उनकी स्थिति को और कठिन बना दिया।

आईआईटी की डिग्री ना होना बनी समस्या

इसके अलावा, ध्रुव को व्यक्तिगत स्तर पर भी कई पूर्वाग्रहों का सामना करना पड़ा। हिंदी न बोल पाने और IIT जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से न होने के कारण, उन्हें समुदाय और निवेशकों के बीच खुद को अलग-थलग महसूस करना पड़ा। छोटे शहर कोयंबटूर से आने के कारण उन्हें और भी अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा, क्योंकि कई लोगों ने उनके गृहनगर के बारे में नहीं सुना था। इन कठिनाइयों ने उन्हें 16 महीने के भीतर वापस कोयंबटूर लौटने के लिए मजबूर कर दिया।

कोयंबटूर में भी मुश्किलों ने नहीं छोड़ा पीछा

कोयंबटूर लौटकर, ध्रुव ने नई बाधाओं का सामना किया, जैसे अविश्वसनीय इंटरनेट कनेक्टिविटी और मज़बूत स्टार्टअप नेटवर्क की कमी। इसके बावजूद, उन्होंने धीरे-धीरे और स्थायी तरीके से iCliniq के विकास पर ध्यान केंद्रित किया। 2016 में, बेहतर अवसरों की उम्मीद में, उन्होंने बेंगलुरु में फिर से स्थानांतरित होने की कोशिश की। लेकिन 18 महीनों के भीतर यह साफ हो गया कि उनके स्टार्टअप के लिए परिस्थितियां अभी भी बदली नहीं थीं, जिससे उन्हें दोबारा कोयंबटूर लौटना पड़ा।

पीएफ खाताधारकों के लिए बड़ा अपडेट, अगले एक साल तक इतना मिलेगा ब्याज, सरकार ने लगाई मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (श्वक्कस्न) पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को अपनी मंजूरी दे दी है। इस फैसले से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (श्वक्कस्नह्र) अपने सात करोड़ से अधिक खाताधारकों के भविष्य निधि पर वार्षिक ब्याज जमा कर सकेगा।

श्वक्कस्नह्र ने 28 फरवरी, 2025 को ही वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (श्वक्कस्न) जमा पर 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर को बरकरार रखने का फैसला किया था। यह पिछले वित्त वर्ष में दी गई ब्याज दर के बराबर है। स्वीकृत ब्याज दर को वित्त मंत्रालय की मंजूरी के लिए भेजा गया था।

श्रम मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ईपीएफ पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर देने पर सहमति दे दी है और श्रम मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को ईपीएफओ को इस संबंध में सूचना दे दी है। अब वित्त वर्ष 2024-25 के लिए स्वीकृत दर के अनुसार ब्याज ईपीएफओ के सात करोड़ से अधिक अंशधारकों के खातों में जमा किया जाएगा।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में 28 फरवरी, 2025 को नई दिल्ली में ईपीएफओ के केंद्रीय न्यासी बोर्ड की 237वीं बैठक में ब्याज दर पर निर्णय लिया गया था।

इससे पहले वित्त-वर्ष 2023-24 के लिए ब्याज दर को 8.15त्न से 0.10त्न बढ़ाकर 8.25त्न किया गया था। वहीं 2022-23 में 8.10त्न से 0.05त्न बढ़ाकर 8.15त्न किया गया था।

जापान को पछाड़ भारत बना दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, अगले तीन वर्षों में जर्मनी से होगा आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले 2.5 से 3 वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा।

सुब्रह्मण्यम ने 10वीं नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल मीटिंग की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं जब बोल रहा हूं, तब हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी हैं और यह मेरा डेटा नहीं है। यह आईएमएफ का डेटा है। आज भारत जापान से भी बड़ी अर्थव्यवस्था है।

सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, तो भारत अगले 2, 2.5 से 3 वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

आईएमएफ के मुताबिक, 2025 में अमेरिका 30,507.217 अरब डॉलर के आकार के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वहीं, चीन 19,231.705 अरब डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

आईएमएफ की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका की जीडीपी वृद्धि इस साल 1.8 प्रतिशत तक धीमी होने की उम्मीद है, जो 2026 1.7 प्रतिशत तक रह जाएगी।

वहीं, यूरोप की वृद्धि दर 2025 में मात्र 0.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि, 2026 में इसमें रिकवरी देखने को मिलेगी और यह 1.2 प्रतिशत पर पहुंच जाएगी। फ्रांस में इन दो वर्षों के लिए वृद्धि दर क्रमशः 0.6 प्रतिशत और 1 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

स्पेन से 2025 में अन्य देशों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है, क्योंकि यह 2.5 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज करने वाला एकमात्र यूरोपीय देश है। हालांकि, 2026 में इसके घटकर 1.8 प्रतिशत पर आ जाने की उम्मीद है। ब्रिटेन में इन दो वर्षों में क्रमशः 1.1 और 1.4 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है।

क्या बकवास है... रूस के सबसे बड़े हवाई हमले के बाद ट्रंप ने खोया आपा, कहा- मैं पुतिन से खुश नहीं हूं

रूस यूक्रेन जंग की शुरुआत के बाद रूस ने रविवार को यूक्रेन पर अब तक सबसे बड़ा हमला किया है. रूस के इस हमले में कम से कम 12 लोग मारे गए हैं और कई घायल हैं. इस खबर के बाद डोनाल्ड ट्रंप रूसी राष्ट्रपति पुतिन से बेहद गुस्सा हो गए हैं और अपना आप खो बैठे हैं। रविवार को न्यू जर्सी के मॉरिसटाउन हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने पुतिन की आलोचना करते हुए कहा, "मैं पुतिन से खुश नहीं हूं।" उन्होंने कहा, "वह बहुत से लोगों को मार रहा है और मुझे नहीं पता कि पुतिन को आखिर क्या हो गया है! मैं उसे लंबे समय से जानता हूं। हमेशा उसके साथ रहा हूं, लेकिन वह शहरों में रॉकेट भेज रहा है और लोगों को मार रहा है और मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं है।"

ट्रंप को लगा धक्का

ट्रंप प्रशासन लंबे समय से रूस-यूक्रेन युद्ध में सीजफायर कराने की कोशिश कर रहा है। लेकिन दोनों और से हो रहे हमले इन कोशिशों को कमजोर कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, "हम बातचीत कर रहे हैं और वह कीव और अन्य शहरों में रॉकेट दाग रहा है! मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं है। पुतिन जो कर रहे हैं, वह मुझे बिल्कुल भी पसंद नहीं है, थोड़ा भी नहीं। वह लोगों को मार रहे हैं और इस आदमी के साथ कुछ हुआ है और मुझे यह पसंद नहीं है।"

रूस का यूक्रेन पर हमला

रविवार रात को रूस ने यूक्रेन में 367 ड्रोन और मिसाइलें दागीं। जिनमें राजधानी कीव सहित कई शहरों पर हमला किया गया। इस हमले में कम से कम 12 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। यूक्रेनी वायु सेना ने 45 मिसाइलों को मार गिराने और 266 ड्रोन नष्ट करने का दावा किया, लेकिन कई क्षेत्र अभी भी बुरी तरह प्रभावित हैं।

कोरोना के आंकड़ों के साथ चीन कर रहा है ऐसा खेल, फिर मचेगी दुनिया में तबाही!

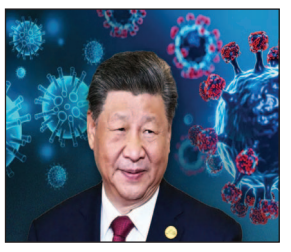

वॉशिंगटन, एजेंसी। एक बार फिर कोरोना ने भारत समेत पूरी दुनिया में दस्तक दे दी है। पिछली बार की तरह इस बार भी लग रहा है कि इसका केंद्र चीन है। लेकिन चीन एक बार फिर इसके आंकड़ों में खेल कर रहा है। जब एक बार फिर कोरोना का डर पूरी दुनिया में बना हुआ है, तो इसके खतरों और आंकड़ों का पता होना भी जरूरी है।

चीन में कोविड-19 संक्रमण चरम पर पहुंच रहा है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि अगले महीने इसमें कमी आनी शुरू होगी, लेकिन अधिकारियों ने जनता से सावधानी बरतने का आग्रह किया है। चीन की सरकार की तरफ से अभी तक इस बात को नहीं स्वीकारा गया है कि देश में कोरोना अपने पीक पर पहुंच गया है। अप्रैल के महीने तक देश में 160000 से ज्यादा लोग कोरोना से प्रभावित थे, लेकिन चीन ने इसको दुनिया में फैलने से रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं।

चीन में लगातार बढ़ रहे कोरोना के केस

चीनी सेंटर ऑफ डिजीज कंट्रोल (CDC) के डेटा के मुताबिक 31 मार्च से 4 मई के बीच फ्लू के लक्षण वाले रोगियों और गंभीर लक्षण वाले अस्पताल के मरीजों की जांच में पॉजिटिव मामलों की संख्या 7।5 फीसद से बढ़कर 16।2 प्रतिशत हो गई। यानी एक महीने से कम समय में ये आंकड़ा डबल से ज्यादा हो गया है।

CDC के मुताबिक अप्रैल में देश भर में कुल 168,507 मामले सामने आए। इनमें से लगभग 5 फीसद मामलों की जांच से पता चला कि वे सभी ओमिक्रॉन वैरिएंट के थे, जिनमें मुख्य स्ट्रेन XDV सीरीज के थी। अप्रेल के महीने तक देश में 160000 से ज्यादा लोग कोरोना प्रभावित थे।

भारत में तेजी से फैल रहा कोरोना

कोरोना ने भारत में भी दस्तक दे दी है। दिल्ली जैसे बड़े शहरों के साथ-साथ कोरोना पॉजिटिव छोटे देशों में भी मिल रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक भारत में अभी एक हजार से ज्यादा एक्टिव केस हैं। सोमवार के आकड़ों में राजधानी दिल्ली में कोरोना के 103 सक्रीय केस हैं।

बलूचिस्तान से POK तक टुकड़े-टुकड़े होने वाला है पाकिस्तान! ऑपरेशन सिंदूर ने तोड़ी मुनीर सेना की कमर

इस्लामाबाद, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर ने ना सिर्फ पाकिस्तान सेना को करारी शिकस्त दी है।। बल्कि पाकिस्तान को अंदर से तोड़ दिया है। दरअसल आसिम मुनीर की फिसड्डी फौज का खोखला दम दुनिया के सामने आ चुके हैं। अब पाकिस्तान के अलग-अलग हिस्सों में आजादी के लिए विद्रोह हो रहा है और इसमें सबसे आगे बलूचिस्तान है। जहां के बलूच लड़ाकों की दहाड़ से पाकिस्तान सेना के पैर उखड़ रहे हैं। शहबाज-मुनीर को अब पाकिस्तान के टुकड़े-टुकड़े होने का डर सता रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर का मकसद पहलगाम आतंकी हमले का बदला था, लेकिन इस ऑपरेशन ने बलूचिस्तान से लेकर पीओके तक नई जान फूंक दी है। पाकिस्तान के हर एक हिस्सा से आजादी की मांग उठ रही है और शहबाज मुनीर की जोड़ी मीटिंगों के सिवा कुछ नहीं कर पा रही। दरअसल पाकिस्तान में शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर के खिलाफ 3 फ्रंट खुल गए हैं।

पहला फ्रंट बलूचिस्तान का है, जहां बलूच नेताओं ने स्वतंत्र बलूचिस्तान का एलान कर डाला है। तो वहीं बलोच लड़ाके लगातार पाकिस्तान सेना पर हमला कर रहे हैं। दूसरी फ्रंट सिंध का है, यहां अलग-अलग जगह आजादी की मांग को लेकर लोग सड़कों पर उतरे हैं। तीसरी फ्रांट POK में खुल गया है, जहां मुजफ्फराबाद में पाकिस्तान सेना के खिलाफ जबरदस्त विरोध प्रदर्शन जारी है। पाकिस्तान में सबसे बुरा हालात इस वक्त बलूचिस्तान के हैं।। जहां हाल ही में बलूच नेता मीर यार ने स्वतंत्र बलूचिस्तान का एलान किया था। जिसके बाद से ही पाकिस्तान सेना पर जगह-जगह बड़े हमले हो रहे हैं। बीते 48 घंटे में बलूचिस्तान में BLA ने 3 जगह बड़े हमले किए गए। इन हमलों में BLA का टारगेट पाकिस्तान सेना थी। 24 घंटे में बलूचिस्तान के कलात, केच और अवारन में BLA ने हमला किया, तीनों जगहों पर कुल 4 IED ब्लास्ट किए गए।

सबसे बड़ा हमला कलात में हुआ, जहां पाकिस्तान सेना की 2 गाड़ियों को IED धमाके में उड़ा दिया गया। दरअसल कलात में पहले पाकिस्तान सेना की एक गाड़ी को धमाके में तबाह किया गया। हमले के बाद पाकिस्तान सेना का बड़ा काफिला यहां पहुंचा, इसी काफिले में मौजूद एक और गाड़ी को IED धमाके में उड़ा दिया गया, इस हमले में 5 सैनिकों की मौत हुई है और 9 घायल हैं। दावा ये भी है कि बलोच लड़ाके ने बलूचिस्तान के कई इलाकों पर कब्जा भी कर लिया है। जिन्हें छुड़ाने में पाकिस्तान सेना के पसीने छूट रहे हैं। आसिम मुनीर और पाक सेना बौखलाई हुई है।

यूक्रेन के टारगेट पर व्लादिमीर पुतिन? ड्रोन की रडार पर था हेलीकॉप्टर, रूस ने ऐसे रोका हमला

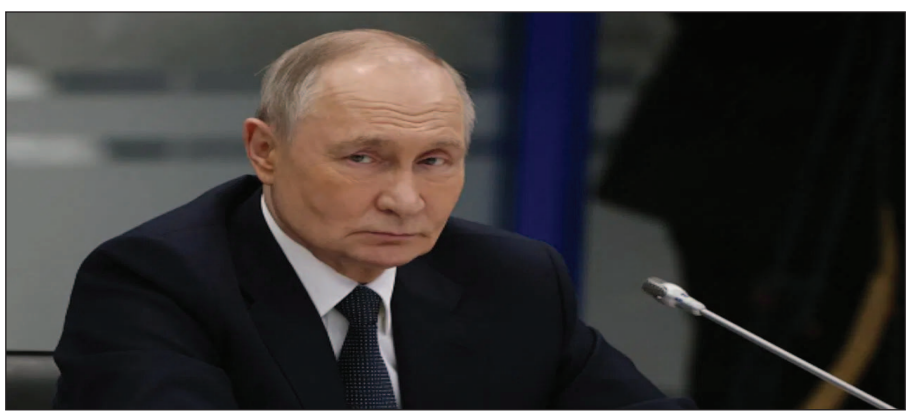

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति के ऊपर 20 मई को एक बड़े हमले की कोशिश की गई थी। एक रूसी सैन्य कमांडर ने दावा किया कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का हेलीकॉप्टर 20 मई को यूक्रेनी ड्रोन हमले के 'केंद्र में' था। रूसी समाचार एजेंसी RBC के मुताबिक यूरी डैशकिन ने कहा कि कथित हमला रूस के कुर्स्क ओब्लास्ट में हुआ था।

यूक्रेन ने अभी तक इन दावों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन रूस की ओर से लगाए गए इस आरोप ने पुतिन की सुरक्षा की चिंता बढ़ा दी है। RBC के मुताबिक एयर डिफेंस डिवीजन के कमांडर दशकिन ने कहा, "हम एक साथ हवाई रक्षा युद्ध में लगे हुए थे और राष्ट्रपति की हेलीकॉप्टर उड़ान के लिए हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे थे।" उन्होंने बताया कि हेलीकॉप्टर काफी हद तक ड्रोन हमले की प्रतिक्रिया के केंद्र में था।

क्या हुआ था 20 मई के दिन?

रूसी एयर डिफेंस डिवीजन के कमांडर यूरी दशकिन ने जानकारी दी कि जब पुतिन का हेलीकॉप्टर कुर्स्क क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी वह यूक्रेनी ड्रोन हमले के 'एपिसेंटर' में आ गया। दशकिन के मुताबिक यह हमला अभूतपूर्व था और पुतिन की मौजूदगी के दौरान हमला और भी तेज हो गया था। कुल 46 यूएवी (ड्रोन) को रूसी एयर डिफेंस ने सफलतापूर्वक मार गिराया गया और उन पर हमले के प्रयास को नाकाम किया गया।

बाइडेन प्रशासन पर भी हत्या की कोशिश का आरोप

जनवरी 2025 में एक्स फॉक्स एंकर टकर कार्लसन ने दावा किया था कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने पुतिन की हत्या की कोशिश की थी। कार्लसन ने अपने पॉडकास्ट 'द टकर कार्लसन शो' पर यह आरोप लगाया है। हालांकि, उन्होंने अपने दावे के कोई सबूत नहीं दिए। उस समय, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा था कि रूसी राष्ट्रपति संभावित खतरों से पूरी तरह सुरक्षित हैं।

रूस के बड़े हमलें

वहीं हाल में रूसी सेना ने युद्ध के अब तक के सबसे बड़े हवाई हमले कर यूक्रेनी शहरों को 367 ड्रोन और मिसाइलों से निशाना बनाया, जिसमें कम से कम 12 लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हो गए। मृतकों में उत्तरी क्षेत्र ज़ाइटॉमिर के तीन बच्चे भी शामिल हैं।

पीएम पहले करते थे विरोध, अब बता रहे उपलब्धि... जाति जनगणना पर कांग्रेस ने केंद्र को घेरा

नई दिल्ली। पीएम मोदी के जातिगत जनगणना के फैसले के बाद, कांग्रेस पीएम को घेरती दिखाई दे रही है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पीएम मोदी के पुराने वीडियो शेयर कर उन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पीएम को पलटते देर नहीं लगती है। पहले वे जातिगत जनगणना की इस मांग का विरोध करते थे और अब इसे अपनी उपलब्धि बता रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई थी जिसमें उन्होंने जातिगत जनगणना के फैसले को अहम कदम बताया। पीएम ने कहा इस फैसले से कमजोर तबकों को विकास की मुख्यधारा में लाया जा सकेगा। उन्होंने ये भी कहा कि एनडीए सरकार जाति की राजनीति नहीं करती, बल्कि सबके लिये काम करती है।

पीएम ने बैठक में दो अहम प्रस्ताव पारित किए जिसमें पहले प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सेना की तारीफ की और दूसरा जातिगत जनगणना के फैसले को सामाजिक न्याय के लिये अहम कदम बताया।बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी कहा कि जातिगत जनगणना एनडीए के विचार का हिस्सा रही है। उन्होंने याद दिलाया कि बिहार सरकार, जो कि जेडीयू नेता नीतीश कुमार के नेतृत्व में है, इस दिशा में सबसे पहले आगे आई थी।

क्रेडिट लेने की कोशिश कर रहे हैं पीएम – जयराम रमेश

कांग्रेस ने इस मुद्दे पर पीएम मोदी को उनके पुराने बयानों की याद दिलाई। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने पीएम मोदी के दो वीडियो साझा किए। इनमें पीएम मोदी को जातिगत जनगणना की आलोचना करते हुए सुना जा सकता है। जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा कि जब पहलगाम में आतंकी हमला हुआ और ऑपरेशन सिंदूर चल रहा था, उसी समय मोदी सरकार ने अचानक जातिगत जनगणना की घोषणा की और अब पीएम इसका पूरी क्रेडिट लेने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस महासचिव नें जो वीडियो शेयर किए हैं उसमें पीएम मोदी कहते हैं कि "विपक्ष जाति के नाम पर समाज को बांटता है और आज भी वही पाप कर रहा है।" दूसरे वीडियो में वे जातिगत जनगणना की मांग को "अर्बन नक्सल माइंडसेट" बताते हुए देखे जा सकते हैं।कांग्रेस का कहना है कि प्रधानमंत्री अब जिस फैसले की तारीफ कर रहे हैं, उसी के खिलाफ उन्होंने पहले कई बार बयान दिए हैं। इससे साफ होता है कि उन्होंने मुद्दे को पॉलिटिकली भुनाने की कोशिश कर रहें है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने हाल ही में जातिगत जनगणना की घोषणा की है । यह आज़ादी के बाद पहली बार होगा जब जातिगत जानकारी राष्ट्रीय जनगणना में शामिल की जाएगी। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दल लंबे समय से जातिगत जनगणना की मांग करते आए हैं। हांलाकि बिहार, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्यों ने पहले ही जातिगत सर्वे जारी कर चुकें हैं। जातिगत जनगणना का मुद्दा अब सियासी बहस का अहम हिस्सा बन गया है, जहां एक ओर सरकार अब इसे सामाजिक न्याय बता रही है, वहीं विपक्ष इसे अपनी जीत करार दे रहा है।

जीवंत सांस्कृतिक कला है जादू : प्रो .संजय द्विवेदी

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त जादूगर ओपी शर्मा द्वारा प्रस्तुत भव्य जादू शो का समापन भोपाल के भारत टाकीज में अत्यंत उत्साह और प्रशंसा के साथ संपन्न हुआ। भोपाल में 2 माह तक उन्होंने भोपालवासियों का अपनी जादूकला से मनोरंजन किया। अब वे जयपुर में अपनी प्रस्तुति के लिए राजस्थान रवाना हो गए हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो.संजय द्विवेदी ने शो के समापन अवसर पर कहा कि जादू केवल भ्रम नहीं, बल्कि कल्पनाशक्ति, कौशल और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत रूप है। जादूगर ओपी शर्मा की जादू कला हमें केवल चकित नहीं करती, बल्कि यह सिखाती है कि कैसे परिश्रम, निरंतर अभ्यास और नवाचार के माध्यम से मनोरंजन को समाजसेवा का माध्यम बनाया जा सकता है।

प्रो.द्विवेदी ने कहा कि जादूगर ओपी शर्मा भारत के लोकप्रिय जादूगरों में से एक हैं। उनका जादू केवल मंच तक सीमित नहीं है, बल्कि वह सामाजिक संदेशों, देशभक्ति और मानवीय मूल्यों को भी अपनी प्रस्तुतियों में समाहित करते हैं। उनके शो में दिखाई गई हैंड ट्रिक्स, इल्यूजन एक्ट्स, फ्लोटिंग ऑब्जेक्ट्स, और मानसिक शक्ति से प्रभावित करने वाली प्रस्तुतियाँ दर्शकों को आश्चर्य से भर देती हैं। उनकी खासियत यह है कि वे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी को समान रूप से आकर्षित करने की कला में निपुण हैं। उन्होंने कहा कि अपने पिता की विरासत को ओपी शर्मा जूनियर ने बहुत ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि भारत में जादू कला के विस्तार और उसे लोकप्रिय बनाने में ओपी शर्मा परिवार का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है।

इस अवसर पर मंच और सभागार दोनों ही जादुई वातावरण से भरे हुए थे। दर्शकों ने उनकी प्रस्तुतियों पर बारंबार तालियों की गूंज के साथ अपनी सराहना व्यक्त की। शो के दौरान एक के बाद एक जादुई करतब जैसे काटी गई महिला का पुनः जुड़ना, हवा में उड़ती मेज़, गायब होती वस्तुएँ और पढ़े बिना दिमाग़ पढ़ने वाले प्रयोग दर्शकों के लिए चमत्कृत करने वाले अनुभव बने।

इस अवसर पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के जनसंपर्क विभाग के अध्यक्ष डा.पवित्र श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसे आयोजन हमारे समाज को आश्चर्य और आनंद से भर देते हैं। बच्चों की आँखों में आश्चर्य और बुजुर्गों की मुस्कान यह दर्शाती है कि जादू आज भी लोगों के दिलों को छूता है। कार्यक्रम के अंत में जादूगर ओपी शर्मा को उनके दशकों से जारी कला योगदान और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए विशेष सम्मान भी प्रदान किया गया।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 3 का ऑफिशियल एलान, कई बड़े नाम शामिल, नेटफ्लिक्स पर 21 जून से होगा स्ट्रीम

कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के पिछले दो सीजन ने दर्शकों को खूब हंसाया था। अब कपिल शर्मा का यह शो अपने तीसरे सीजन के साथ फिर से हंसी-ठिठोली का डोज लेकर आ रहा है। इस सीजन में कई सरप्राइज कर देने वाले चेहरों का दीदार होने वाला है। कॉमेडियन और एक्टर कपिल ने वीडियो के जरिए शानदार अंदाज में सभी कलाकारों को आमंत्रण दिया है। देखें कब और किन कलाकारों के साथ आ रहे कपिल।

कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर द ग्रेट इंडियन कपिल शो के तीसरे सीजन से जुड़ा एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में कपिल शर्मा शो के सभी कलाकारों को फोन करके उसके नए सीजन की जानकारी दे रहे हैं और उनसे पूछ रहे हैं कि क्या नया किया जा सकता है। यह नया सीजन नेटफ्लिक्स पर 21 जून से स्ट्रीम होगा। इस वीडियो के कैप्शन में लिखा है, 'हंसी आउट ऑफ कंट्रोल होगी क्योंकि कपिल और उनकी टीम एक बार फिर वापस आ गई है। अब हर फनीवार, बढ़ेगा हमारा परिवार 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के नए सीजन के साथ। 21 जून से केवल नेटफ्लिक्स पर।'

शेयर किए गए वीडियो पोस्ट में कपिल शर्मा ने सबसे पहले अर्चना पूरन सिंह को फोन किया और उन्हें शो के नए सीजन के बारे में बताया। इसके साथ ही उन्होंने मजाकिया अंदाज में अर्चना से कहा कि उन्हें अब बैंक से लोने लेने की जरूरत नहीं है, क्योंकि शो का तीसरा सीजन आ रहा है। इसके बाद उन्होंने अभिनेता कीकू शारदा को फोन करके कहा कि इस बार कुछ अलग करना है। इसके अलावा उन्होंने सुनील ग्रोवर और कृष्णा को फोन कर नए सीजन की जानकारी दी।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो के पहले सीजन ने सभी दर्शकों को खूब हंसाया था। इसमें सुनील ग्रोवर के गुत्थी किरदार को सभी ने बेहद पंसद किया था। अब इस नए सीजन में कपिल शर्मा के अलावा सुनील ग्रोवर, कृष्णा, कीकू शारदा, अर्चना पूरन सिंह जैसे नाम शामिल हैं। दर्शक इस नए सीजन को लेकर काफी उत्साहित दिख रहे हैं और इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर आने को तैयार नानी की हिट 3, 29 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर होगी रिलीज

तेलुगु स्टार नानी की हालिया रिलीज फिल्म 'हिट 3' सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर रिलीज को तैयार है। अगर आपने थिएटर में ये फिल्म मिस कर दी थी, तो अब आप ओटीटी पर इस फिल्म को घर बैठकर देख सकते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर बेहतर प्रदर्शन के बाद अब सैलेश कोलानू द्वारा निर्देशित 'हिट द थर्ड केस' अपने ओटीटी रिलीज को तैयार है। 'हिट 3' 29 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। हालांकि, अभी ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर से आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन फिल्म नेटफ्लिक्स की अपकमिंग फिल्मों में इस गुरुवार यानी 29 मई को दिखा रही है। जिससे साफ है कि 'हिट 3' 29 मई से नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होगी।

हिट 3' 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म के साथ 'रेड 2', 'रेट्रो' और 'द भूतनी' जैसी कई फिल्में भी रिलीज हुई थीं। इसके बावजूद 'हिट 3' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार किया। अब फिल्म ओटीटी पर दस्तक देने के लिए तैयार है।

'हिट 3' की कहानी अर्जुन सरकार नामक एक गुस्सैल पुलिस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म में नानी के साथ श्रीनिधि शेट्टी रवींद्र विजय, प्रतीक बब्बर, कोमली प्रसाद, टिस्का चोपड़ा, सूर्या श्रीनिवास जैसे कलाकार प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। इसके अलावा फिल्म में अदिवि शेष और कार्ति के कैमियो भी हैं।

बॉक्स ऑफिस पर भूल चूक माफ की बढ़िया शुरुआत, आते ही 10 फिल्मों को दी मात, केसरी वीर का हाल-बेहाल

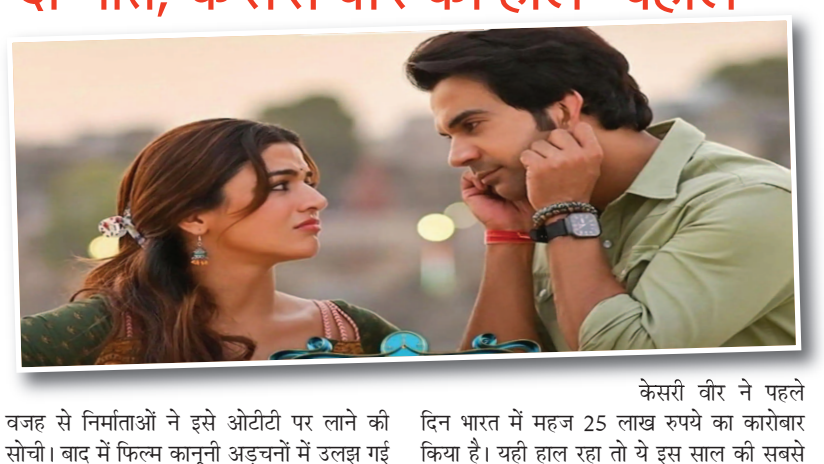

राजकुमार राव लंबे समय से फिल्म भूल चूक माफ को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म 23 मई को सिनेमाघरों में आई और इसी के साथ सुनील शेट्टी की फिल्म केसरी वीर भी दर्शकों के बीच आई।

लोगों को इंतजार इस बात का था कि कौन-सी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बाजी मारेगी।

अब आखिरकार इन दोनों ही फिल्मों के पहले दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं और भूल चूक माफ ने कमाल कर दिया है।

सैकनिल्क के मुताबिक फिल्म ने रिलीज के भारत में 7 करोड़ रुपये से बॉक्स ऑफिस पर अपना खाता खोला है। भूल चूक माफ ने रिलीज के पहले दिन इस साल आईं द डिप्लोमैट (4 करोड़), देवा (5.5 करोड़) क्रेजी (80 लाख), सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव (50 लाख), मेरे हसबैंड की बीवी (1.50 करोड़), बैडएस रवि कुमार (3.52 करोड़), आजाद (1.5 करोड़), लवयापा (1.15 करोड़), इमरजेंसी (2.50 करोड़), फतेह (2.40 करोड़) जैसी 10 फिल्मों के ओपनिंग डे कलेक्शन को मात दी है।

राजकुमार की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म भूल चूक माफ सिनेमाघरों में आने से पहले काफी विवादों में रही।

पहले इसे 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था लेकिन भारत-पाकिस्तान तनाव की वजह से निर्माताओं ने इसे ओटीटी पर लाने की सोची। बाद में फिल्म कानूनी अड़चनों में उलझ गई और आखिर में इसे 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया।

इस फिल्म में राजकुमार की जोड़ी अभिनेत्री वामिका गब्बी के साथ बनी है।

उधर फिल्म केसरी वीर की ओपनिंग काफी निराशाजनक रही है। ये फिल्म सोमनाथ मंदिर की रक्षा के लिए अपनी जान देने वाले योद्धाओं की कहानी है।

हालांकि, इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। फिल्म में सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली और विवेक ओबेरॉय ने अहम भूमिका निभाई है।

केसरी वीर ने पहले दिन भारत में महज 25 लाख रुपये का कारोबार किया है। यही हाल रहा तो ये इस साल की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्म साबित होगी।

अब बात करते हैं तुषार कपूर और श्रेयस तलपडे की हॉरर कॉमेडी फिल्म कंपकंपी की। ये भी 23 मई को सिनेमाघरों में आई।

इस हॉरर कॉमेडी फिल्म को कुछ खास रिव्यू नहीं मिले। ये भी बॉक्स ऑफिस पर बेदम साबित हुई है, लेकिन इसने केसरी वीर से बेहतर कारोबार किया है, जबकि फिल्म का प्रचार भी काफी कम हुआ। इसे लेकर शून्य बराबर चर्चा थी।

इस फिल्म ने भी पहले दिन 26 लाख रुपये की कमाई की है।

फिल्म हाउसफुल 5 का तीसरा गाना कयामत हुआ रिलीज़, लग्जरी क्रूज में अक्षय कुमार संग रितेश-अभिषेक ने लगाया डांस का तड़का

अक्षय कुमार अपनी अपकमिंग फिल्म 'हाउसफुल 5' के साथ धमाल मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इसमें अभिषेक बच्चन और रितेश देशमुक भी लीड रोल्स में नजर आएंगे। जैसे-जैसे 'हाउसफुल 5' की रिलीज डेट पास आ रही है, वैसे ही दर्शकों के बीच उत्साह दोगुना होता जा रहा है। इस बीच फिल्म मेकर्स ने गाना 'कयामत' रिलीज कर दिया है।

इस गाने ने भी फैंस को झूमने पर मजबूर कर दिया है। कुछ ही मिनट पहले रिलीज हुए 'कयामत' गाने को यू-ट्यूब पर एक लाख से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है। फिल्म के नए गाने 'कयामत' को टी-सीरीज के यूट्यूब ऑफिशियल चैनल पर रिलीज किया गया। इस गाने में नीरज श्रीधर और श्रुति धस्माना ने अपनी मधुर आवाज दी है। कोरियोग्राफी आदिल शेख की है।

'कयामत' गाने को एक शानदार लग्जरी क्रूज पर शूट किया गया है। गाना दमदार और देखने में बहुत आकर्षक है। इसमें म्यूजिक, लोकेशन और कॉस्ट्यूम सब कुछ बेहद खास है। गाने में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश और बाकी स्टार्स डांस करते नजर आ रहे हैं, लेकिन आखिर में सभी बारी-बारी से मास्क पहन लेते हैं। इससे फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि फिल्म की कहानी में कई रहस्य देखने को मिलेंगे।

फिल्म का यह तीसरा गाना है, जिसे मेकर्स ने रिलीज किया है। इससे पहले 'लाल परी' और 'दिल-ए-नादान' गाना रिलीज हो चुका है, जिन्हें लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इन गानों में शानदार म्यूजिक और जबरदस्त डांस देखने को मिला। 'हाउसफुल 5' फिल्म के निर्देशक तरुण मनसुखानी हैं, जो इससे पहले 'दोस्ताना' जैसी हिट फिल्म बना चुके हैं। इस फिल्म की कहानी साजिद नाडियाडवाला ने लिखी है और वो ही फिल्म के प्रोड्यूसर भी हैं।

फिल्म में 19 कलाकारों की बड़ी स्टारकास्ट है, जिनका किरदार अपनी अलग मस्ती और अंदाज लेकर आएगा। हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख के अलावा जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे सितारे हैं। यह फिल्म 6 जून, 2025 को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित । शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com